वर्ष : 17 ❖ अंक : 21 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
सोमवार, 22 अगस्त 2022

दलाई लामा की व्यापक लद्दाख यात्रा से चीन चिढ़ा 3 | कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति अपराधी हैं : आरिफ मोहम्मद 8

मंत्रिमंडल में फेरबदल साधारण घटना है : सीएम

मैं पार्टी के प्रति पूरी तरह वफादार हूं : उप्रेती

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 21 अगस्त । सिक्किम विधानसभा अध्यक्ष के पद से गत 16 अगस्त को लाल बहादुर दास द्वारा इस्तीफा दे देने के बाद आज राज्य के पूर्व शहरी विकास मंत्री अरुण उप्रेती ने अगले विधानसभा अध्यक्ष चुनाव हेतु अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। 2019 में आरिथांग से चुनाव जीत कर विधायक बने उप्रेती तीन वर्षों तक शहरी विकास मंत्री रह चुके हैं।

आज विधानसभा सचिवालय में नामांकन दाखिल करने के दौरान अरुण उप्रेती के साथ मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के अलावा पार्टी एवं भाजपा के कई विधायक भी मौजूद रहे। इस अवसर पर उप्रेती ने कहा कि एसकेएम पार्टी की आंतरिक व्यवस्थाओं के कारण ही मैंने अपना इस्तीफा दिया है। गौरतलब है कि उप्रेती एसकेएम के महासचिव भी हैं। उन्होंने कहा, मैं पार्टी के प्रति पूरी तरह वफादार रहा हूं और पार्टी मुझे जो भी पद देगी, उसे मैं सहर्ष स्वीकार करूंगा। जहां तक मेरे विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन की बात है तो इन दोनों पदों की जिम्मेदारी उठाने में कोई परेशानी नहीं होगी। अरुण उप्रेती ने कहा जब मैं विधानसभा में जाऊंगा तो मुझे सभी सदस्यों को एक बराबर निगाह से देखना होगा। वहां से निकलने के बाद मैं एक निर्वाचित जन प्रतिनिधि रहूंगा और लोगों की भलाई हेतु कार्य करूंगा।

उल्लेखनीय है कि एसकेएम मंत्रिमंडल की इस फेरबदल के बाद कयासों का बाजार भी गर्म है। इसे लेकर राज्य में किसी बड़े राजनीतिक उठापटक की चर्चाएं हो रही हैं। वहीं इसमें भाजपा की भूमिका को लेकर भी चर्चाएं हो रही हैं। हालांकि एसकेएम अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने इन सभी से इनकार किया है। उनका कहना है कि यह सभी पार्टी की आंतरिक व्यवस्थाओं का ही एक अंग है। यह केवल एसकेएम से ही जुड़ा मसला है और इससे भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है। यह कोई बड़ी घटना हनीं है।

अरुण उप्रेती के अध्यक्ष पद हेतु किये गये नामांकन के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि एलबी दास को राज्य मंत्रिमंडल में अवसर देने के लिए ही यह फेरबदल किया गया है। उन्होंने कहा, अरुण उप्रेती पार्टी के एक कर्मठ एवं वफादार नेता हैं और उन्हें पार्टी में सर्वसम्मति से लिये गये निर्णय के बाद ही यह पद्दोन्नति दी गयी है। वहीं भविष्य में ऐसे किसी अन्य फेरबदल की सम्भावना के बारे में पूछे जाने पर सीएम ने कहा कि फिलहाल ऐसी कोई बात नहीं है। लेकिन यदि ऐसा कुछ होता भी है तो उस पर पार्टी में चर्चा के बाद ही निर्णय लिया जायेगा।

उन्होंने कहा कि पूर्व विधान सभा अध्यक्ष एलबी दास जो आरक्षित अनुसूचित जाति निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे, उन्हें न्याय दिलाने के लिए हमने यह निर्णय लिया है। इसके लिए किसी की ओर से कोई दबाव नहीं है। न ही पूर्व स्पीकर की ओर से कि उन्हें मंत्री बनाने का दबाव दिया गया है। एसकेएम एक परिवार है और हमारी साझा जिम्मेदारियां हैं, इसलिए एलबी दास को उनके पद से इस्तीफा देना पड़ा। अब अध्यक्ष पद के लिए हमने पूर्व शहरी विकास मंत्री अरुण उप्रेती को नामित किया है। उन्होंने आज अपना नामांकन दाखिल किया है। इसके बाद (22 अगस्त) मतदान होगा। हमें नहीं लगता कि यह कोई बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम है। राजनीति में यह सभी राज्यों में होता रहता है।

भाजपा विधायकों को भी कैबिनेट में जगह मिलने की अफवाहों पर गोले ने कहा, भाजपा पार्टी की ओर से कोई दबाव नहीं है, एसकेएम और भाजपा दोनों पार्टी गठबंधन में हैं, हम एक हैं। यह न तो एसकेएम की सरकार है और न ही यह भाजपा की सरकार है, यह जनता की सरकार है। भाजपा की ओर से कोई दबाव नहीं है, आज यहां हमारे साथ भाजपा के विधायक भी हैं। कैबिनेट फेरबदल पहली बार हो रहा है, लेकिन यह एसकेएम और बीजेपी के बीच अच्छी समझ का भी प्रदर्शन है। भाजपा की ओर से दबाव की अटकल बाजार का सिर्फ एक अनुमान है, हम केंद्र सरकार और भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

इस अटकल पर कि एसकेएम वर्तमान में एक अस्थिर सरकार है, गोले ने कहा, कुछ लोग ऐसे हैं जो ऐसी अफवाह फैला रहे हैं यह एक अस्थिर सरकार है और कुछ चल रहा है, लेकिन ये केवल अटकलें हैं। इनका वास्तविकता से कोई लेना देना नहीं है। हम इससे प्रभावित नहीं हैं। जनता जानती है कि अस्थिर सरकार है या नहीं, जनता अच्छी तरह जानती है। 2019 में भी उनका मानना था कि 3 से 6 महीने में सरकार गिर जाएगी। हमने शासन के तीन साल पूरे कर लिए हैं। कुछ भी अस्थिर नहीं है और यह समझ का आंतरिक मामला है।

मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने यह भी बताया कि आगामी 25 अगस्त को नये शहरी विकास मंत्री की नियुक्ति होगी, तब तक शहरी विकास विभाग और नागरिक आपूर्ति विभाग उनके अधीन ही रहेंगे। 22 अगस्त को नये विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव के पश्चात 25 अगस्त को शपथ ग्रहण समारोह होगा। जानकारी के अनुसार अभी तक केवल अरुण उप्रेती ने ही इस पद के लिए नामांकन दाखिल किया है।

जन उन्मुक्ति दिवस मनाना असंवैधानिक व अलोकतांत्रित : पवन चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 21 अगस्त । सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के अध्यक्ष तथा राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) की जेल से रिहाई की स्मृति में पार्टी द्वारा हर वर्ष मनाये जाने वाले जन उन्मुक्ति दिवस को पूर्व मुख्यमंत्री तथा सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) अध्यक्ष पवन चामलिंग ने असंवैधानिक एवं अलोकतांत्रिक करार दिया है।

इस सम्बंध में एसडीएफ के प्रचार मामलों के उपाध्यक्ष कृष्ण खरेल ने एक विज्ञप्ति में बताया कि पार्टी अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री ने जन उन्मुक्ति दिवस के विचार के बारे में लोगों के सवालों के जवाब दिये हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने इस सम्बंध में पूछे गये सवाल पर कहा कि एसकेएम पार्टी द्वारा आमलोगों पर इस प्रकार के मूर्खतापूर्ण कार्य लगातार थोपे जाते हैं। केवल वे ही ऐसे असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक विचार अपना सकते हैं। लेकिन जन उन्मुक्ति दिवस का पालन शायद उनका सबसे निचले स्तर का काम है। इसके माध्यम से हमारे सिक्किम के इतिहास को सबसे खराब तरीके से कलंकित किया गया है। आने वाली पीढ़ियां जब पीछे मुड़कर इसे देखेंगी कि एक दोषी साबित हो चुके अपराधी ने सरकार का नेतृत्व किया और एक साल की कैद से उसकी रिहाई को जन उन्मुक्ति दिवस के रूप में मनाया गया, तो वे इस पर थूकेंगे।

पवन चामलिंग ने आगे कहा कि शासन में सभी समुदायों के प्रतिनिधित्व के विचार से समग्र राजनीति की दिशा में मैं ही पीएस तमांग (गोले) को सिक्किम की राजनीति में लेकर आया था। शिक्षक की नौकरी छोड़ने के बाद दो महीनों के अंदर ही एसडीएफ सरकार में उन्हें कैबिनेट मंत्री भी बनाया गया। उस समय राज्य के पशुपालन मंत्री के तौर पर तमांग के पहले कार्यकाल में एसडीएफ सरकार द्वारा किसानों को दुधारू गायें वितरित करने की योजना शुरू की गयी, जिसमें उन्होंने आर्थिक घोटाला किया। इसके खिलाफ तत्कालीन नेता विपक्ष एनबी भंडारी ने अपने सहयोगियों नुक छिरिंग भूटिया, सीसी सांगदेर्पा और स्वर्गीय पीआर सुब्बा ने एक जनहित याचिका दायर की थी जिसके बाद हाई कोर्ट ने सिक्किम सरकार को इसकी खुफिया जांच करवा कर रिपोर्ट अदालत में पेश करने को कहा। 2017 में भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के तहत उन्हें दोषी पाया गया और उनकी सजा को उच्चतम न्यायालय द्वारा भी बरकरार रखा गया। उसके बाद जब उन्हें लगा कि वे अपना अपराध अब और छिपा नहीं सकते तो आखिरकार आत्मसमर्पण कर दिया। एक साल जेल में सजा काटने के बाद वह 10 अगस्त 2018 को रिहा हुए।

पवन चामलिंग नेता ने कहा कि ये सच्चाई इतनी स्पष्ट है कि हर कोई देख सकता है। कोई इस दुर्भाग्यजनक दिन को जन उनमुक्ति दिवस के रुप में मनाने के बारे में कैसे सोच सकता है? वास्तविकता यह है कि वे अपराधिकता के महिमामंडन के साथ ही अपनी भ्रष्ट विरासत का जश्न मना रहे हैं। 10 अगस्त को जनमुक्ति दिवस के रूप में मनाना हमारी न्यायपालिका और संविधान का मजाक है। ऐसा कर एसकेएम पार्टी कोर्ट के फैसले को गलत बताते हुए अदालत को भ्रष्ट और पीएस तमांग को साफ-सुथरा बता रही है। यह लोकतंत्र और जनादेश का चरम दुरूपयोग है। पवन चामलिंग ने कहा, सिक्किम ने काफी कीमत चुकाने के बाद राज्य का भारतीय गणराज्य में विलय कर जिस संविधान और कानून के शासन को हासिल किया, उसे पीएस तमांग और उनके सहयोगियों ने दूषित कर दिया है। ऐसे में अब सिक्किम सरकार द्वारा संविधान को शुद्ध करने की आवश्यकता है।

उनके अनुसार, वास्तविकता यह है कि एसकेएम पार्टी को इस दिन शोक मनाना चाहिए। यह दिन इस बात की याद दिलाता है कि हमारे राज्य में एक सजायाफ्ता व्यक्ति का शासन है जिसे उच्च न्यायालय द्वारा भ्रष्टाचार का दोषी साबित किया गया था। यह दिन इस बात की भी याद दिलाता है कि सिक्किम भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है जहां एक दोषी व्यक्ति मुख्यमंत्री है। यह कैसा जनमुक्ति दिवस है?

पवन चामलिंग ने कहा कि जब एक सजायाफ्ता व्यक्ति अपनी सजा पूरी करता है, वह अदालत को गलत नहीं ठहरा सकता। सजा से मुक्त होने का मतलब यह नहीं है कि वह व्यक्ति सही था। इसलिए जब पीएस तमांग ने अपनी एक वर्ष की सजा पूरी की, उसका सीधा मतलब है कि वे पूरी तरह भ्रष्टाचार के दोषी हैं। ऐसे में एक सजायाफ्ता व्यक्ति का जेल से बाहर आना जनमुक्ति कैसे हो सकता है? क्या सिक्किम के लोग दोषी ठहराये गये, सजा भुगती और रिहा हुए? क्या वह सिक्किम के लोगों के लिए जेल गये थे या भ्रष्टाचार के कारण जिसमें वह शामिल रहे?

पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग ने कहा कि लोगों के सम्मान को समझने का एसकेएम का यही रास्ता है। वे एसकेएम नेता के भ्रष्टाचार को लोगों की आजादी के साथ जोड़ रहे हैं। यह खुले तौर पर की जाने वाली बदमाशी है जो उनकी निरंकुश मानसिकता को दर्शाता है। यह निर्दोष लोगों को जेल से उनकी रिहाई को सार्वजनिक उत्सव के रूप में मनाने के लिए बाध्य करती है। यह किस तरह का नेता है जो लोगों को अपने कुकर्मों, भ्रष्ट अतीत और अदालती सजा को जनमुक्ति दिवस के रूप में मनाने के लिए मजबूर करता है? बहरहाल सिक्किम की यही स्थिति है। वह सिक्किम को कहां ले जा रहे हैं?

वहीं पवन चामलिंग ने मुख्यमंत्री को आड़े हाथों लेते हुए यह भी कहा कि प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने सिक्किम के लिए दो विश्व रिकॉर्ड भी बनाये हैं। सिक्किम एकमात्र ऐसा राज्य है जहां का मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार का दोषी एक व्यक्ति है और हाल ही में जेल से रिहा हुआ है। दूसरा रिकॉर्ड यह है कि सिक्किम दुनिया का एकमात्र ऐसा राज्य है जहां एक दोषी की रिहाई के दिन को जन उनमुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है। दरअसल उन्होंने नेता की परिभाषा ही बदल दी है। उनके अनुसार आप जितने अधिक अनैतिक और अपराधी प्रवृत्ति के होंगे, उतने ही अच्छे नेता होंगे।

पवन चामलिंग के अनुसार अब समय आ गया है कि सिक्किम में वास्तविक जनमुक्ति हेतु एक जन आंदोलन की जरूरत है। एक ऐसे राज्य में जहां कानून-व्यवस्था विफल हो गयी है, लोकतंत्र मर गया है, शांति समाप्त हो गयी है और अपराध लगातार बढ़ रहे हैं, वहां जनता की आजादी समय की मांग है। हम इसे जरूर हासिल करेंगे और इस सत्ता के बेदखल होने के बाद उसकी खुशियां मनायेंगे।

कार्यकर्ताओं की स्थिति से केंद्रीय नेतृत्व अवगत : डॉ. जायसवाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 21 अगस्त । भारतीय जनता पार्टी, सिक्किम राज्य इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक आज पार्टी कार्यालय गंगटोक में आयोजित की गई। आज की बैठक में भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में बिहार विधान परिषद के सदस्य डॉ. दिलीप जायसवाल उपस्थित रहे। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष श्री डीबी चौहान, दो महासचिव श्री भरत दुलाल, श्री सुदीप प्रधान, पार्टी विधायक, प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यसमिति के सदस्य उपस्थित थे। बैठक से पहले नए कार्यालय का औपचारिक उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष चौहान ने किया। यह जानकारी प्रदेश भाजपा प्रवक्ता डा राजू गिरी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

आज की बैठक में भाजपा के नीति-सिद्धांत, कार्यक्रम और पार्टी की भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर चर्चा करते हुए यह कहा गया कि पार्टी का हर कार्यकर्ता इसे मुख्य मंत्र मानकर संगठन को आगे बढ़ाए। इस दौरान राज्य के मुख्य सचिव पर लगे तथाकथित भ्रष्टाचार के आरोपों पर भी गहराई से चर्चा हुई। भाजपा सिक्किम की मांग है कि राज्य के सतर्कता विभाग को इस मुद्दे को जल्द से जल्द जनता के सामने लाना चाहिए क्योंकि इस मुद्दे को सार्वजनिक मंच पर उठाए हुए काफी समय हो गया है। बैठक में पार्टी के सांगठनिक मामलों को लेकर कार्यकर्ताओं की समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित डॉ. दिलीप जायसवाल ने कार्यकर्ताओं की विभिन्न शिकायतों को सुनने के बाद कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय नेतृत्व सिक्किम में भारतीय जनता पार्टी की स्थिति और विधायकों और कार्यकर्ताओं की समस्याओं से पूरी तरह अवगत हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जल्द ही इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए भाजपा विधायकों और राज्य नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सिक्किम के अनुच्छेद 371 एफ को बरकरार रखते हुए राज्य के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यकर्ताओं को राज्य में चल रहे सभी विकास कार्यों पर नजर रखनी चाहिए। बैठक में अन्य संगठनात्मक और राजनीतिक मुद्दों पर भी चर्चा और समीक्षा की गई।

अरुण उप्रेती ने विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए दाखिल किया नामांकन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 21 अगस्त । एसकेएम सरकार के पूर्व मंत्री तथा मौजूदा विधायक अरुण उप्रेती ने सिक्किम विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए होने वाले चुनाव हेतु आज अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। उन्होंने राज्य विधानसभा सचिवालय में सचिव गोपाल प्रसाद दहाल को अपना नामांकन पत्र सौपा। इस अवसर पर विधानसभा के उपाध्यक्ष सांगे लेप्चा के अलावा मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले), कैबिनेट मंत्रीगण, विधायक, सलाहकार तथा राज्य विधानसभा सचिवालय के अधिकारी मौजूद थे।

अरुण उप्रेती के नामांकन में विधायक सह ग्रामीण विकास मंत्री सोनम लामा और विधायक आदित्य गोले प्रस्तावक हैं। राज्य विधानसभा स्पीकर के चुनाव हेतु मतदान आगामी 22 अगस्त को होगा।

उल्लेखनीय है कि गत 16 अगस्त को निवर्तमान विधानसभा स्पीकर एलबी दास द्वारा इस्तीफा सौंप दिये जाने के कारण यह पद खाली है।

वहीं 2019 में आरिथांग क्षेत्र से विधायक बने अरुण उप्रेती ने भी राज्य के शहरी विकास मंत्री पद से अपना इस्तीफा सौंपा था। आगामी 22 अगस्त को 10वें सिक्किम विधानसभा के छठे सत्र (भाग-2) के आयोजन में विधानसभा स्पीकर के लिये मतदान कराया जायेगा।

सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज के प्रतिनिधिमंडल किया दिल्ली का दौरा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 21 अगस्त । रेनॉक स्थित सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज के बीकॉम. छठे सेमेस्टर के विद्यार्थियों के एक दल ने वाणिज्य विभाग के तीन फैकल्टियों के साथ गत 11 अगस्त से 20 अगस्त तक अपने 9 दिवसीय दौरे पर देश की राजधानी दिल्ली का भ्रमण किया। राज्य के विद्यार्थियों को देश की राजधानी दिल्ली तथा इसके आस-पास के क्षेत्रों से भली-भांति परिचित करवाना ही इस दौरे का उद्देश्य था।

सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज के वाणिज्य विभाग की ओर से बताया गया कि इस भ्रमण के दौरान 14 अगस्त को सिक्किमी विद्यार्थियों के दल ने विश्व के 7 आश्चर्यों में शुमार आगरा के ताजमहल का दीदार किया। इसके साथ ही उन लोगों ने इंडिया गेट, कुतुब मीनार, हुमायूं का मकबरा, लोटस टैम्पल, पीएम म्यूजियम, दिल्ली विश्वविद्यालय आदि भी देखा।

कॉलेज के वाणिज्य विभाग के अनुसार मंत्री संजीत खरेल और एलएन शेरपा के साथ ही छात्र नेता कविता सापकोटा के स्नेह एवं सहयोग के बिना यह भ्रमण यात्रा सम्भव नहीं हो पाती। उनके साथ ही रेनॉक कॉलेज के प्रिंसिपल बिधान सुब्बा के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देश के बगैर भी विद्यार्थियों की यह यात्रा पूरी नहीं हो पाती। इसके लिए विद्यार्थियों ने उन्हें धन्यवाद दिया।

कौन बनेगा कांग्रेस का अध्यक्ष, कई नामों पर विचार

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेन्सी)। कांग्रेस अपने नए अध्यक्ष का चुनाव करने की तैयारी कर रही है, ऐसे में कई नामों पर विचार किया जा रहा है। इस बीच पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दोबारा इस पद पर आसीन होने से इनकार कर दिया है।

राहुल गांधी के इनकार के बाद अब पार्टी अध्यक्ष पद के लिए कई नाम सामने आ रहे है, जिनमें अंबिका सोनी, मुकुल वासनिक और कुमारी शैलजा शामिल हैं।

हालांकि, पार्टी नेताओं को अभी भी उम्मीद है कि राहुल गांधी पार्टी का नेतृत्व करने के लिए राजी हो सकते है, क्योंकि पार्टी बुरे दौर का सामना कर रही है। कुछ लोग प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम भी उछाल रहे हैं, लेकिन इसकी कोई पुष्टि नहीं है, क्योंकि वह उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी भी संभाल रही हैं।

इसके अलावा, सोनिया गांधी को पार्टी अध्यक्ष के रूप में जारी रखने और प्रत्येक क्षेत्र के लिए एक कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने की योजना पर भी विचार किया जा रहा है।

सोनिया गांधी के वफादार राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भी नाम चर्चा में है। लेकिन गहलोत ने कथित तौर पर शीर्ष पद से इनकार किया और कहा कि राहुल गांधी को पार्टी अध्यक्ष के (शेष पृष्ठ ०३ पर)

किसी भी आरोपी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी नहीं किया, सिसोदिया के दावे को सीबीआई ने किया खारिज

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेन्सी)। आबकारी नीति 'भ्रष्टाचार' मामले को लेकर दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को दावा किया कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। हालांकि अधिकारियों ने इस दावे का खंडन करते हुए कहा है कि जांच एजेंसी ने किसी आरोपी के खिलाफ फिलहाल' ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई ने अभी तक लोक सेवकों के खिलाफ कोई एलओसी जारी करने की आवश्यकता महसूस नहीं की है क्योंकि वे सरकार को सूचित किए बिना देश नहीं छोड़ सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल' किसी भी आरोपी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि दस्तावेजों की छानबीन की जा रही है तथा संदिग्धों को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किये जा रहे हैं।

इससे पहले सिसोदिया ने ट्वीट किया, आपकी सारी छापेमारी असफल हो गई। कुछ नहीं मिला। एक पैसे की हेरा-फेरी नहीं मिली। अब आपने लुकआउट नोटिस' जारी किया है कि मनीष सिसोदिया मिल नहीं रहा। यह क्या नौटंकी है मोदी जी? मैं दिल्ली में खुलेआम घूम रहा हूं। बताइए कहां आना है? क्या आपको मैं मिल नहीं रहा?'' सिसोदिया आबकारी नीति के कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं के संबंध में सीबीआई द्वारा दर्ज प्राथमिकी में आरोपी के रूप में नामजद 15 लोगों में शामिल हैं।

वहीं, सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हर सुबह केंद्र सरकार सीबीआई-ईडी' का खेल शुरू कर देती है। उन्होंने ट्वीट किया, ऐसे समय जब आम आदमी महंगाई से जूझ रहा है, करोड़ों की संख्या में युवा बेरोजगार हैं, केंद्र सरकार को सभी राज्य सरकारों के साथ मिलकर बेरोजगारी और महंगाई से लड़ना चाहिए। उसकी बजाय ये पूरे देश से लड़ रहे हैं। रोज सुबह उठकर सीबीआई-ईडी का खेल शुरू कर देते हैं। ऐसे देश कैसे तरक्की करेगा?'' आप' के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी नीत सरकार ने दिन की शुरुआत मीडिया को मनीष सिसोदिया को लुकआउट नोटिस जारी करने और यह खबर सभी अखबारों और टेलीविजन चैनलों से साझा करने के साथ की। यह बहुत ही गंभीर मामला है।

सीएम योगी ने कल्याण सिंह की प्रतिमा का किया अनावरण, बोले-बाबू ने रखी थी सुशासन की नींव

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की प्रथम पुण्य तिथि पर सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान में लगी उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऑपरेशन थियेटर ब्लाक का भी लोकार्पण किया। सीएम योगी ने कैंसर संस्थान का नाम वर्ष 2021 में कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्व. कल्याण सिंह को युग पुरुष भी बताया और विनम्र श्रद्धांजलि दी।

सीएम योगी ने कहा कि वह अपने जीवन में सदैव जनहित को ही वरीयता देते रहे। गरीब, किसान, मजदूर तथा पीड़ित की मदद के लिए सदैव आगे रहने वाले स्वर्गीय बाबू जी का सपना हम मिलकर पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बाबूजी ने सुशासन की नींव रखी थी। बाबूजी की कार्य पद्धति निर्णायक साबित हुई। अब यहां कैंसर के मरीजों का इलाज हो सकेगा।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह व दयाशंकर सिंह, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह के साथ ही केन्द्र सरकार में मंत्री कौशल किशोर तथा स्वर्गीय कल्याण सिंह के पुत्र एटा के सांसद राजवीर सिंह ने स्वर्गीय कल्याण सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया।

आंध्र प्रदेश के सीएम आज पीएम से करेंगे मुलाकात

अमरावती, 21 अगस्त (एजेन्सी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। जगन मोहन रेड्डी रविवार शाम विजयवाड़ा के गन्नावरम हवाई अड्डे से राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना होंगे। रात 9.15 बजे दिल्ली पहुंचने के बाद वह 1 जनपथ स्थित आवास पर रहेंगे।

वह सोमवार सुबह 10.15 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। उनके मोदी के साथ राज्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने की संभावना है।

पोलावरम परियोजना और राहत और पुनर्वास (आर एंड आर) पैकेज से संबंधित मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है और वह पीएम से परियोजना के लिए लंबित धन को जारी करने में तेजी लाने का आग्रह करेंगे।

मुख्यमंत्री एक बार फिर प्रधानमंत्री से आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में लंबित मुद्दों का समाधान करने का अनुरोध करेंगे।

तीन महीने से भी कम समय में प्रधानमंत्री के साथ यह उनकी दूसरी मुलाकात होगी। दोनों के बीच पिछली मुलाकात 2 जून को हुई थी।

पिछली बैठक के दौरान, जगन मोहन रेड्डी ने मोदी से पोलावरम परियोजना के लिए संशोधित लागत अनुमानों को मंजूरी देने और विस्थापित परिवारों को पारदर्शिता के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से आर एंड आर पैकेज प्रदान करने का अनुरोध किया था।

उन्होंने प्रधानमंत्री से 55,548.87 करोड़ रुपये के संशोधित लागत अनुमानों को मंजूरी देने की अपील की थी, क्योंकि तकनीकी सलाहकार समिति पहले ही इसे मंजूरी दे चुकी है।

मुख्यमंत्री ने राजस्व घाटे के मुआवजे, नरेगा और अतिरिक्त मेडिकल कॉलेजों की मंजूरी सहित कई मुद्दों को भी उठाया था।

खालिस्तानी नेटवर्क खत्म करने के लिए जीरो टालरेंस नीति

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेन्सी)। भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले खालिस्तानी संगठन की अब खैर नहीं। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारों पर देश में बढ़ रहे संगठन के खतरों को देखते हुए उसपर लगाम कसने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय फुल एक्शन में आ गया है। सरकार ने इस बाबत जांच एजेंसियों को जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने और उस पर काम लेने की खुली छूट दे दी है।

सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार ने पांच राज्यों में खालिस्तानी नेटवर्क और ड्रग ट्रैफिकिंग मॉड्यूल को खत्म करने के लिए सख्त कार्रवाई का निर्णय लिया है। गृह मंत्रालय ने जांच एजेंसियों को दिल्ली-एनसीआर और दिल्ली से सटे राज्य हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड और यूपी में खालिस्तानी नेटवर्क को जड़ से खत्म करने का निर्देश दिया है।

गृह मंत्रालय ने एनआईए, ईडी, आईबी, रॉ और दिल्ली पुलिस सहित दूसरे राज्यों के साथ हुई अहम बैठक के बाद यह बड़ा फैसला लिया है।

सूत्रों ने बताया, अब एनआईए दिल्ली और आसपास के राज्यों में खालिस्तानी गतिविधियों पर एफआईआर दर्ज करेगी। गृह मंत्रालय ने एनआईए को ड्रोन के जरिए हथियार, आईईडी और विस्फोटक भेजने पर खालिस्तानी गैंग और उससे जुड़े संगठनों पर एफआईआर दर्ज करने का नोटिफिकेशन जारी किया है।

सरकार के इस क़दम के चलते पांच खालिस्तानी संगठनों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इनमें खालिस्तानी लिब्रेशन फ्रंट (केएलएफ), बब्बर खालसा (इंटरनेशनल), सिख यूथ फेडरेशन (एसवाईएफ), सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) और खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) आदि हैं।

सूत्रों के अनुसार आईबी और एनआईए के पास ऐसी पुख्ता जानकारी है कि दिल्ली और आसपास के राज्यों में जो आईईडी और विस्फोटक पिछले कुछ महीने में मिले हैं, उसके पीछे आईएसआई और पाकिस्तान में मौजूद खालिस्तानी संगठनों का हाथ है। यह बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे।

सूत्रों के अनुसार, खालिस्तानी संगठनों को विदेशी फंडिंग कहां से आ रही है, उसकी भी जांच की जाएगी। इसके साथ सिख फॉर जस्टिस, बब्बर खालसा इंटरनेशनल, खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स, खालिस्तान टाइगर फोर्स पर भी शिकजा कसा जाएगा और उसके विदेशी फंडिंग की भी जांच की जाएगी।

सत्येंद्र जैन को विधायक और मंत्री पद से अयोग्य ठहराने की मांग, दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेन्सी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने धनशोधन के एक मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सत्येंद्र जैन को मानसिक रूप से अक्षम' घोषित करने और इस आधार पर उन्हें विधायक एवं मंत्री पद के लिए अयोग्य ठहराने का अनुरोध करने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी है। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रह्मण्यम प्रसाद की पीठ ने कहा कि एक रिट याचिका में कही बातों के आधार पर जैन को मानसिक रूप से अक्षम व्यक्ति' घोषित नहीं किया जा सकता है और न ही उन्हें मंत्रिमंडल तथा विधानसभा से अयोग्य ठहराया जा सकता है।

पीठ ने कहा कि आप' विधायक विभिन्न अपराधों के लिए मुकदमे का सामना कर रहे हैं और कानून के अनुसार उचित कदम उठाने की जिम्मेदारी अदालत की है। अदालत ने 16 अगस्त के अपने आदेश में कहा, यह सच है कि प्रतिवादी नंबर पांच (जैन) भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के साथ ही धन शोधन रोकथाम कानून के तहत विभिन्न अपराधों के लिए मुकदमों का सामना कर रहा है। बहरहाल, तथ्य यही है कि दंड प्रक्रिया संहिता-1973 अपने आप में एक पूर्ण संहिता है, जो पूछताछ, जांच और मुकदमे के संबंध में एक व्यवस्था उपलब्ध कराती है।''

अदालत ने कहा, दंड प्रक्रिया संहिता में सभी आकस्मिकताएं शामिल हैं और कानून के अनुसार उचित कदम उठाने की जिम्मेदारी अभियोजन/अदालत की है।'' उच्च न्यायालय ने कहा, रिट याचिका में कही बातों के आधार पर यह अदालत भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत न्यायाधिकार का इस्तेमाल करते हुए प्रतिवादी नंबर पांच (जैन) को मानसिक रूप से अक्षम व्यक्ति घोषित नहीं कर सकती और न ही उन्हें विधानसभा या दिल्ली सरकार में मंत्री पद से अयोग्य ठहरा सकती है। इसके परिणामस्वरूप रिट याचिका खारिज की जाती है।'' याचिकाकर्ता आशीष कुमार श्रीवास्तव ने अपनी याचिका में दावा किया था कि जैन ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष खुद घोषित किया है कि उन्होंने अपनी याददाश्त खो दी है' और निचली अदालत को भी इसकी जानकारी दी गई है।

दिल्ली पहुंचने का सिलसिला तेज, पुलिस जहां रोकेगी वहीं होगा प्रदर्शन

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेन्सी)। संयुक्त किसान मोर्चा (अराजनैतिक) ने अपनी मांगों के समर्थन में सोमवार को जंतर मंतर पर किसान महापंचायत का एलान किया है। इसमें शामिल होने के लिए पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, केरल, पश्चिम बंगाल, बिहार सहित दूसरे राज्यों के किसान भी रवाना हो चुके हैं। पड़ोसी राज्यों से भी हजारों की संख्या में किसानों के पहुंचने के बाद शाम तक भी सिलसिला जारी रहा। एसकेएम (अराजनैतिक) के मुताबिक महापंचायत में शामिल होने से किसानों को जहां रोका जाएगा, वहीं महापंचायत करेंगे।

संयुक्त किसान मोर्चा (अराजनैतिक) की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि एक दिवसीय कार्यक्रम पूर्ण तौर पर शांति और अनुशासन के साथ होगा। यह पंचायत सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित की जाएगी। पंचायत के समापन के बाद राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपेंगे।

उन्होंने कहा कि अगर सरकार इस महापंचायत के आयोजन में किसी तरह का व्यवधान डालने का प्रयास करती है तो इसके लिए सरकार स्वयं जिम्मेवार होगी। किसान नेताओं के पहुंचने के बाद सुबह नौ बजे किसानों का जत्था अलग अलग जगहों से महापंयायत के लिए रवाना होगा। किसान नेता अभिमन्यु कुहाड़ ने बताया कि हरियाणा और पंजाब से आने वाले किसान कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) फ्लाईओवर के नजदीक से महापंचायत के लिए रवाना होंगे।

एसकेएम (अराजनैतिक) के संयोजक शिवकुमार शर्मा (कक्काजी) के मुताबिक अपनी मांगों के समर्थन में अलग अलग राज्यों के पांच हजार से अधिक किसान पहुंचेंगे। जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण कार्यक्रम के लिए पुलिस से इजाजत मांगी गई हैं। दूसरे संयोजक जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि अपनी मांगों के समर्थन में किसान महापंचायत में देश के कई राज्यों के किसान शामिल होंगे। उनकी संख्या हजारों में होगी और दिल्ली में काफी किसान पहुंच चुके हैं। महापंचायत के लिए कूच करने से रोका गया तो वहीं महापंचायत करेंगे।

नजदीकी शहरों से पहुंचने वाले किसान दिल्ली के धार्मिक स्थलों खासतौर पर पहुंच रहे हैं। खास तौर पर गुरुद्वारा में रुके हैं। किसानों का आरोप है कि ट्रेन से पहुंचने के बाद रेलवे स्टेशन से बाहर निकलते ही कुछ किसानों को पुलिस ने रोक लिया। हालांकि पुलिस ने कानून और व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए रोक लिया, फिर बसों से उन्हें गंतव्य तक पहुंचाया गया।

पिछले साल दिसंबर में किसान आंदोलन खत्म होने के करीब आठ महीने बाद किसानों का समूह एक बार फिर दिल्ली में अपनी मांगों के समर्थन में पहुंचा है। इसे देखते हुए सिंघु, टीकरी और गाजीपुर बार्डर सहित जंतर मंतर के आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। संयुक्त किसान मोर्चा(अराजनैतिक) में देश के अलग अलग राज्यों के 65 से अधिक किसान संगठनों के प्रतिनिधि हैं।

आदित्य ठाकरे का बागी विधायकों पर निशाना, कहा-हमारी पीठ पर छूरा घोंपकर आपको क्या मिला

मुंबई, 21 अगस्त (एजेन्सी)। शिवसेना के विधायक एवं महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा है कि पार्टी ने हर तरीके से विधायकों की मदद की, ऐसे में बगावत करने वाले विधायकों को पार्टी नेतृत्व की पीठ पर छुरा घोंपकर' क्या हासिल हुआ। आदित्य ने जलगांव में शनिवार को एक रैली में यह बात कही।

जलगांव शिवसेना से बगावत करने वाले नेता एवं वर्तमान में मंत्री गुलाबराव पाटिल का विधानसभा क्षेत्र है। अपने संबोधन में आदित्य ने कहा, हमने उन्हें टिकट दिया, वे निर्वाचित हों, इसके लिए सभी प्रयास किए और हर संभव तरीके से उनकी मदद की। उन्होंने हमारे पीठ में छुरा क्यों घोंपा? धोखा देकर उन्हें क्या हासिल हुआ?'' आदित्य ने कहा, उन्हें जो भी मिला, अपने लिए मिला। उन्होंने जनता को कुछ भी वापस नहीं लौटाया।''

गौरतलब है कि इस वर्ष जून में शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे और 39 विधायकों ने पार्टी से बगावत कर दी थी, जिससे राज्य की उद्धव ठाकरे नीत महाविकास आघाडी सरकार गिर गई थी। 30 जून को शिंदे को मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देवेंद्र फडणवीस को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई थी। शिंदे सरकार में गुलाबराव पाटिल के पास जलापूर्ति विभाग है। उद्धव नीत सरकार में भी राव के पास यही विभाग था।

त्राल में सुरक्षाबलों ने जब्त की 12 किलोग्राम आईईडी, बड़ी आतंकी घटना टली

श्रीनगर, 21 अगस्त (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना ने रविवार को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिला में त्राल के बेहगुंड इलाके में 10 से 12 किलोग्राम वजन के एक अत्याधुनिक शक्तिशाली उपकरण (आईईडी) को ढूंढ निकाला, जिसके कारण एक बड़ी त्रासदी टल गई। पुलिस ने बताया कि पुलिस के एक विशेष इनपुट पर बेहगुंड इलाके से लगभग 10 से 12 किलोग्राम वजन का एक आईईडी बरामद किया गया है। पुलिस ने कहा, 'आईईडी की समय पर पहचान से एक बड़ी आतंकी घटना टल गई है।' पुलिस ने ट्वीट कर कहा, पुलिस के एक विशिष्ट सूचना पर त्राल के बेहगुंड इलाके में लगभग 10 से 12 किलोग्राम वजन का एक आईईडी बरामद किया गया है। एक बड़ी आतंकवादी घटना टल गई।'

इसके अलावा श्रीनगर के निशात इलाके में रविवार को अज्ञात आतंकवादियों ने एक ग्रेनेड फेंका, जिसके कारण दो नागरिक घायल हो गए। पुलिस ने बतया कि कम तीव्रता वाले ग्रेनेड विस्फोट में कुछ नागरिकों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने ट्वीट कर कहा, आतंकवादियों द्वारा निशात क्षेत्र में ग्रेनेड फेंकने की घटना घटित हुई। कम तीव्रता वाले विस्फोट में कुछ नागरिकों को मामूली चोटें आईं, सभी को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। दोषियों को पकड़ने के लिए मामला दर्ज कर लिया गया है।''

शंकरसिंह वाघेला ने बनाई अपनी पार्टी, लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

गांधीनगर, 21 अगस्त (एजेन्सी)। दिग्गज राजनेता और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला ने रविवार को एक नई पार्टी प्रजा शक्ति डेमोक्रेटिक पार्टी का गठन किया है। उनकी पार्टी गुजरात में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

चुनावी राजनीति में अपने फिर से प्रवेश के बारे में अपने इरादे की घोषणा करते हुए, वाघेला ने गांधीनगर में स्थानीय मीडिया से कहा, 'लोग भाजपा के विकल्प की तलाश कर रहे हैं। मेरे लिए भाजपा, कांग्रेस और आप के दरवाजे बंद हैं, इसलिए मैंने प्रजा शक्ति डेमोक्रेटिक पार्टी शुरू करने का फैसला किया, पार्टी डेढ़ साल पहले पंजीकृत हुई थी। अब हमारे पास एक पार्टी है।'

वाघेला ने अपने फेसबुक पेज पर राज्य के लोगों से पहले ही कई वादे किए हैं जैसे - 12 लाख रुपये सालाना कमाने वाले परिवार के लिए 12 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा, ऐसे परिवार के बच्चों को बारहवीं कक्षा तक मुफ्त शिक्षा, युवाओं को रोजगार मिलने तक बेरोजगारी भत्ता, जल कर से छूट, 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली, किसानों को ऋण में छूट, बिजली बिलों में राहत, नई वैज्ञानिक शराब नीति आदि शामिल हैं।

वाघेला ने शनिवार को दिल्ली में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल से मुलाकात की थी। उन्होंने उनसे समर्थन देने का अनुरोध किया है, अगर उन्हें लगता है कि वाघेला एक क्षेत्रीय पार्टी शुरू करके सही काम कर रहे हैं।

2017 में भी, वाघेला ने क्षेत्रीय पार्टी जन विकल्प लॉन्च किया था और चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें 1 प्रतिशत वोट भी नहीं मिला और न ही राज्य में एक भी सीट जीत सके। उन्होंने खुद चुनाव नहीं लड़ा।

2024 चुनाव में होगी यूपी की अहम भूमिका, सभी 80 सीटों पर जीत के लिए बीजेपी का रोड मैप तैयार : केशव मौर्य

गाजियाबाद, 21 अगस्त (एजेन्सी)। गाजियाबाद में भाजपा की बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे भाजपा नेता और उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को कहा कि 2024 चुनाव के लिए भाजपा का रोड मैप तैयार हो चुका है। इसमें उत्तर प्रदेश की अहम भूमिका होगी। पार्टी ने प्रदेश में सभी सीटों को जीतने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है।

बैठक में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2024 में पार्टी प्रदेश में सभी 80 सीटों पर जीत हासिल करेगी। उसी दिशा में पार्टी को आगे बढ़ाना है। बैठक में भाजपा के संगठन महामंत्री रहे सुनील बंसल को विदाई दी गई और नए संगठन महामंत्री धर्मपाल का स्वागत किया गया।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में भाजपा मजबूत है, लेकिन यूपी में सबसे ज्यादा मजबूत है। पार्टी कार्यकर्ताओं को इसे और आगे लेकर जाना है। मौर्य ने कहा कि 2022 यूपी चुनाव में कैसी साजिश हुई सभी जानते हैं। अब 2024 के चुनाव में उससे भी बड़ी साजिश हो सकती है, इसलिए पार्टी कार्यकर्ता सतर्क रहें और लगातार पार्टी के लिए काम करते रहें।

इसके साथ ही उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में फंसे 'आप' के मंत्री भाजपा पर झूठे आरोप लगा रहे हैं। जांच एजेंसियां अपना काम निष्पक्षता के साथ कर रही हैं।

दलाई लामा की व्यापक लद्दाख यात्रा से चीन चिढ़ा

लेह, 21 अगस्त (एजेन्सी)। भारत के लिए तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा (87) बौद्ध धर्म के प्रतीक हैं, जो न केवल भारत के, बल्कि यहां के नागरिकों के भी सम्मानित अतिथि हैं। वह इस समय तिब्बत की सीमा से लगे सुदूर पर्वतीय लद्दाख क्षेत्र में यात्रा कर रहे हैं। उनकी इस यात्रा से चीन चिढ़ गया है।

ठंडे रेगिस्तानी लद्दाख की यात्रा, महामारी शुरू होने के बाद से धर्मशाला के बाहर दलाई लामा का पहला दौरा है और 2020 में भारत-चीन सैन्य गतिरोध के बाद पहली यात्रा। वह एक महीना और, सितंबर तक लद्दाख में रहेंगे। उन्होंने एक सहयोगी से मजाक में कहा, 'हम मैदानी इलाकों में चल रहे मानसून से बचने के लिए यहां आए हैं।'

आध्यात्मिक नेता 50 से अधिक वर्षो से लद्दाख आते रहे हैं, क्योंकि लोगों का उनके साथ उनकी आस्था और प्रेम-कृपा के आधार पर एक विशेष बंधन है। अब से पहले उन्होंने जुलाई 2018 में लद्दाख की यात्रा की थी।

शीर्ष भारतीय गणमान्य व्यक्तियों से मिलने से लेकर भीड़ में पुराने मित्रों को चिढ़ाने तक, मस्जिद शरीफ में मुस्लिम समुदाय के सदस्यों के साथ प्रार्थना में शामिल होने तक, जिसकी स्थापना 1382 में लद्दाख के शे में पिछले सप्ताह हुई थी, लामा ने प्रवास में जोखांग की तीर्थयात्रा की। लेह के केंद्र में प्रमुख बौद्ध मंदिर, जामा मस्जिद और अंजुमन-ए-इमामिया मस्जिद साथ ही लेह में मोरावियन चर्च।

भारत सरकार के शीर्ष अधिकारी, उपराज्यपाल आर.के. माथुर ने 14वें दलाई लामा को श्रद्धांजलि अर्पित की, जो 1959 में चीनी शासन के खिलाफ एक असफल विद्रोह के बाद से भारत में निर्वासन में रह रहे हैं, 16 अगस्त को लेह में।

इसके अलावा चीन द्वारा क्रोध का एक और अवसर था जब भारत ने दलाई लामा को उड़ाने के लिए एक सैन्य हेलीकॉप्टर तैनात किया, जिसे तिब्बती बौद्ध अपना आध्यात्मिक नेता मानते हैं, लेह से एक दूरदराज के गांव में चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ जारी गतिरोध के बीच, जो दलाई लामा को अलगाववादी मानते हैं।

दलाई लामा ने शे में मस्जिद शरीफ की अपनी यात्रा के दौरान टिप्पणी की, 'क्रोध, भय और ईर्ष्या से उत्पन्न होने वाले कई संघर्षो को हल किया जा सकता है यदि हम दूसरों के लिए करुणा पैदा करते हैं।'

उन्होंने मस्जिद शरीफ में अपने कार्यक्रम के दौरान लद्दाख की पहली विशेष रूप से विकलांग महिला छात्र सईद बानो को पीएचडी से सम्मानित किया, जहां दलाई लामा ने मुस्लिम समुदाय के सदस्यों के साथ अपनी बैठक के आयोजकों द्वारा तैयार किए गए दोपहर के भोजन का आनंद लिया।

दलाई लामा के कार्यालय द्वारा जारी की गई सबसे आकर्षक तस्वीरों में से एक थी, परम पावन 11 अगस्त को लद्दाख के लिंगशेड के सुदूर गांव में अपने निवास से तड़के हिमालय के दृश्य देख रहे थे।

नोबेल पुरस्कार विजेता और दुनिया में शांति और धार्मिक सद्भाव के प्रवर्तक, दलाई लामा सम्मानित धार्मिक नेताओं में से एक हैं।

दलाई लामा द्वारा लंबे समय तक घर की ओर देखने की तस्वीर का जवाब देते हुए उनके एक प्रशंसक ने टिप्पणी की कि पर्वत श्रृंखला से परे तिब्बत है। 'उम्मीद है कि एक दिन तिब्बत फिर से आजाद होगा और वे अपने वतन लौट आएंगे।'

उनके निजी कार्यालय के अधिकारियों ने आईएएनएस को बताया कि तिब्बती आध्यात्मिक नेता अक्सर मैक्लोडगंज में अपने आधिकारिक निवास की बालकनी से तेज धूप वाले दिन बर्फ से ढकी धौलाधार पर्वतमाला का आनंद लेते हैं।

सीबीआई ने ईडी को भेजी दिल्ली शराब घोटाले की फाइल

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेन्सी)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया से जुड़े शराब घोटाले के सिलसिले में एक ताजा घटनाक्रम में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) सीबीआई) ने मामले से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सौंपे हैं, ताकि यह देखा जा सके कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) का मामला बनता है या नहीं।

सीबीआई ने एफआईआर की कॉपी और कुछ और दस्तावेज ईडी को सौंपे हैं। अब ईडी पहले पीएमएलए के सबूत जुटाने के लिए प्रारंभिक जांच शुरू करेगी और फिर आगे की कार्रवाई तय करेगी।

ईडी के अधिकारी इस मामले पर टिप्पणी करने के लिए उपलब्ध नहीं हो सके।

सीबीआई ने अपनी प्राथमिकी में सिसोदिया को आरोपी नंबर वन बनाया है। सीबीआई की प्राथमिकी आईपीसी की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) और 477-ए (खातों का फर्जीवाड़ा) के तहत दर्ज की गई है।

सिसोदिया पर आरोप है कि शराब कारोबारियों को कथित तौर पर 30 करोड़ रुपये की छूट दी गई। लाइसेंस धारकों को कथित तौर पर उनकी इच्छा के अनुसार विस्तार दिया गया था। आबकारी नियमों का उल्लंघन कर नीतिगत नियम बनाए गए।

राकेश टिकैत का त्यागी समाज की महापंचायत को समर्थन

नोएडा, 21 अगस्त (एजेन्सी)। नोएडा में श्रीकांत त्यागी के समर्थन में हजारों की संख्या में त्यागी समाज के लोगों ने महापंचायत की और सांसद डॉ महेश शर्मा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने महापंचायत को अपना समर्थन दिया है और इस बात की भी मांग की है कि इस मामले पर जल्द समझौता होना चाहिए।

त्यागी समाज की महापंचायत में उपस्थित वक्ताओं ने कमिश्नरेट पुलिस पर भी जमकर भड़ास निकाली और श्रीकांत त्यागी की पत्नी अनु त्यागी के समर्थन में जबरन सोसायटी में घुसने पर जेल जाने वाले 6 युवकों को पंचायत के मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया।

इस मसले पर बीकेयू नेता राकेश टिकैत ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि, जो वीडियो वायरल हुआ वह गलत है, लेकिन इस तरह के मामले में 25 हजार का ईनाम रखा देना यह पहली बार देखा है। इसलिए त्यागी समाज इखट्ठा हुआ और वह हमारे संगठन के साथ में हैं। हमारे पास आए सभी और समर्थन की चिट्ठी लिखवाकर लेकर गए हैं।'

'हम त्यागी समाज के समर्थन में हैं, लेकिन हम यह भी कहते हैं कि उसका फैसला हो जाना चाहिए, हम पुलिस प्रशासन से बात करेंगे। यह कोई इतना बड़ा मुद्दा नहीं है। इससे भी बड़े जघन्य अपराध होते हैं। सोसाइटी के लोगों को और सांसद महेश शर्मा को बिठाकर एक समझौता होना चाहिए।'

दरअसल आज दिल्ली पुलिस नें राकेश टिकैत को दिल्ली जाने से रोक दिया और थाने में बिठाये रखा, हालांकी भारतीय किसान यूनियन द्वारा जब विरोध जताये जाने लगा तो दिल्ली पुलिस नें राकेश टिकैत को वापस भेज दिया।

इसके साथ ही टिकरी बॉर्डर पर एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है, दिल्ली पुलिस नें आज रोका और वापस बॉर्डर से भेज दिया।

इसपर राकेश टिकैत नें कहा, 'कल दिल्ली मे कोई प्रदर्शन है लेकिन हमारा उससे कोई मतलब नहीं है और ना ही हम जा रहे हैं। हमारी संयुक्त मोर्चा के साथ 6 सितंबर को दिल्ली में बैठक होगी जिसमें सरकार के वायदों पर चर्चा होगी और आगे की रणनीति बनेगी।'

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR JUPITER SUNDAY

WEEKLY LOTTERY

Draw No:90 DrawDate on:21/08/22

1st Prize ₹1 Crore/- 83K 17590

(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 17590 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

13877 21021 38313 42836 43663 44286 52136 64079 78756 89935

3rd Prize ₹450/-

0590 1394 2219 4947 5510 5953 6797 6883 7030 9496

4th Prize ₹250/-

0145 1003 1250 3805 4558 4685 5227 5410 9582 9632

5th Prize ₹120/-

0026 0224 0239 0244 0309 0463 0552 0631 0936 1001
1239 1398 1422 1447 1451 1622 1644 1646 1894 1919
2037 2040 2315 2327 2632 2859 2867 2919 3042 3099
3303 3325 3332 3567 3931 3935 3937 4024 4030 4091
4103 4112 4113 4120 4604 4777 4817 4900 4962 4979
5026 5100 5325 5329 5446 5452 5466 5470 5549 5603
5721 5779 5786 6279 6281 6314 6405 6694 6887 6935
7011 7061 7180 7190 7416 7731 7755 7774 8017 8127
8151 8153 8210 8294 8592 8680 8703 8720 9240 9328
9374 9501 9601 9717 9773 9821 9911 9947 9974 9985

[redacted]

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR HAWK EVENING

SUNDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:190 DrawDate on:21/08/22

1st Prize ₹1 Crore/- 48C 68772

(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 68772 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

12178 15940 26852 32022 35830 38614 50019 67085 81993 84058

3rd Prize ₹450/-

0002 0916 0980 1502 2177 3124 6431 6671 6780 7387

4th Prize ₹250/-

0725 2137 2530 2738 2749 4278 5419 5649 5901 9644

5th Prize ₹120/-

0012 0131 0190 0280 0339 0357 0362 0519 0552 0607
0708 0731 0937 1009 1096 1114 1190 1403 1508 1656
1901 1979 2009 2199 2340 2656 2950 2989 3044 3192
3405 3468 3500 3658 3751 4172 4434 4515 4737 4755
4851 4919 5126 5187 5226 5265 5673 5695 5722 5788
5847 5855 5886 5915 5996 6112 6145 6159 6283 6348
6350 6551 6584 6573 6639 6669 6711 6792 6950 7113
7298 7512 7664 7753 7790 7858 8037 8038 8130 8135
8189 8499 8504 8590 9105 9221 9261 9283 9345 9380
9422 9458 9487 9582 9585 9597 9683 9727 9898 9977

[redacted]

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR DAMODAR MORNING

SUNDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:90 DrawDate on:21/08/22

1st Prize ₹1 Crore/- 39L 63014

(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 63014 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

18186 35429 37482 54986 56523 57495 67996 76856 88820 89287

3rd Prize ₹450/-

0413 0674 2007 2362 3342 4169 6640 7494 8275 8934

4th Prize ₹250/-

1042 2642 3244 4045 4575 5765 6420 7948 0430 8887

5th Prize ₹120/-

0020 0110 0234 0260 0292 0498 0673 0679 0700 0939
0944 1021 1028 1122 1261 1263 1273 1440 1484 1546
1596 1675 1689 1724 1760 1803 1950 1979 2044 2101
2134 2219 2232 2536 2558 2929 2967 3000 3058 3119
3337 3363 3481 3571 3604 3850 3887 4179 4277 4339
4442 4471 4543 4644 4700 4969 5004 5267 5519 5850
5949 5954 5972 6039 6103 6201 6338 6401 6746 6851
6881 7055 7123 7162 7585 7890 7973 8012 8069 8120
8459 8531 8571 8639 8769 8884 8910 8916 8928 8973
9058 9138 9236 9302 9373 9411 9545 9734 9763 9866

[redacted]

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

यूपी में पर्यटन को मिलेगा 'उद्योग' का दर्जा

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र को उद्योग का दर्जा मिलने की पूरी तैयारी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रस्ताव पर अपनी सहमति दे दी है।

सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा, 'सैद्धांतिक रूप से पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देने का निर्णय लिया गया है और अब एक विशेषज्ञ समिति इसके पेशेवरों और विपक्षों का मूल्यांकन कर रही है, ताकि राज्य कैबिनेट की मंजूरी के लिए सबसे अच्छा निवेशक-अनुकूल मसौदा तैयार किया जा सके।'

जो नई पर्यटन नीति का मसौदा तैयार किया जा रहा है, उसमें प्रस्तावित बदलाव किए जाएंगे।

राजस्थान ने हाल ही में अपने आतिथ्य क्षेत्र को उद्योग का दर्जा दिया है। उत्तराखंड, गोवा, केरल ने भी यह कदम उठाया है। उद्योग जगत के लोगों का मानना है कि पर्यटन क्षेत्र उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में जान फूंक सकता है। उत्तर प्रदेश पर्यटन के मामले में एक अग्रणी राज्य है, जहां 2021 में 109.71 मिलियन घरेलू पर्यटक और 33,737 विदेशी पर्यटक आए और पिछले कुछ वर्षों में राज्य में जिस तरह का काम किया गया है, विकास उल्लेखनीय होना तय है।

प्रवक्ता ने वाराणसी का उदाहरण देते हुए कहा कि श्रावण के महीने में एक करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों ने काशी का दौरा किया, जो अपने आप में बड़ी बात है।

अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद लोगों की संख्या कई गुना बढ़ने की उम्मीद है।

विशेषज्ञों का मानना है कि उद्योग का दर्जा इस क्षेत्र को और अधिक टिकाऊ बनाने के अलावा निवेश को आसान बनाएगा।

एक अधिकारी ने कहा, 'उत्तर प्रदेश में पर्यटन के उद्योग बनने के बाद बिजली शुल्क और करों में काफी कमी आएगी। इससे वाराणसी जैसे स्थानों में नई परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन भी आसान हो जाएगा, जहां विस्तार के लिए भूमि की बहुत कमी है।'

उन्होंने यह भी कहा कि पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को उद्योग का दर्जा उस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में मदद करेगा, जो महामारी के वर्षों के दौरान अत्यधिक पीड़ित रहा है।

उत्तर प्रदेश होटल और रेस्तरां एसोसिएशन के एक सदस्य ने कहा, 'उद्योग की स्थिति होटल और रिसॉर्ट के पुनरुद्धार के लिए इनपुट लागत को कम करेगी, जो घाटे में चल रही संस्थाओं को बंद होने से रोकेगी। साथ ही, यह मौजूदा परियोजनाओं को फिर से शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।'

इस कदम से हेरिटेज होटल और होमस्टे के विकास में भी मदद मिलेगी।

लेकिन इससे भी अधिक, लंबे समय में, यह स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देगा और स्थानीय कला, शिल्प, परंपरा और व्यंजनों के संरक्षण की दिशा में भी काम करेगा।

सीबीआई ने 8 लोगों के खिलाफ एलओसी की पुष्टि

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेन्सी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रविवार को पुष्टि की कि कथित दिल्ली शराब घोटाला मामले में आठ लोगों के खिलाफ लुक आउट सकरुलर (एलओसी) जारी किया है। हालांकि, एजेंसी की ओर से यह स्पष्ट नहीं है कि क्या उन्होंने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य के खिलाफ एलओसी जारी किया है।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बारे में पूछे जाने पर अधिकारियों ने सिर्फ इतना कहा कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। जिनका उल्लेख प्राथमिकी में आरोपी के रूप में है।

एंटरटेनमेंट एंड इवेंट मैनेजमेंट कंपनी ओनली मच लाउडर के पूर्व सीईओ विजय नायर, ब्रिंडको सेल्स प्राइवेट के निदेशक अमनदीप ढल, इंडोस्पिरिट ग्रुप के प्रबंध निदेशक समीर महेंद्रू, बडी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अमित अरोड़ा, सनी मारवाह, महादेव लिकर्स के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता, और तीन निजी व्यक्ति अरुण रामचंद्र पिल्लई, अर्जुन पांडे और दिनेश अरोड़ा के खिलाफ एलओसी जारी किए गए हैं।

सीबीआई ने अपनी प्राथमिकी में सिसोदिया को आरोपी नंबर एक बनाया है। इनपर आईपीसी की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) और 477-ए (खातों का जालसाजी) के तहत आरोप लगाया गया है।

सिसोदिया पर आरोप है कि शराब कारोबारियों को कथित तौर पर 30 करोड़ रुपये की छूट दी गई और लाइसेंस धारकों को उनकी मर्जी के मुताबिक एक्सटेंशन दिया गया, जबकि नीति आबकारी नियमों का उल्लंघन कर बनाई गई।

CHANGE OF NAME

No. 7783990A RANK HAV (CLK) Name Shiv Kumar residing at Vill.- Dhightana, P.O.- Bugana, Teh & Dist.- Hisar (Haryana) Pin- 125121 have changed my daughter's name from **Miss Divya** to **Divya** vide affidavit No. A222513.

सिकंदराबाद में भाजपा कार्यकर्ता के घर पहुंचे अमित शाह

हैदराबाद, 21 अगस्त (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को सिकंदराबाद के उज्जैनी महाकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की और पार्टी के एक कार्यकर्ता के घर पहुंचे। तेलंगाना की एक दिन की यात्रा के लिए हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे पर पहुंचने के तुरंत बाद, वह मंदिर गए और पूजा-अर्चना की।

मंदिर के पुजारियों ने उनका स्वागत किया और उन्हें प्रसाद दिया। उनके साथ केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी, राज्य भाजपा अध्यक्ष बांदी संजय कुमार और पार्टी के अन्य नेता भी थे।

बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मंदिर के बाहर जमा हो गए। पूजा-अर्चना के बाद अमित शाह ने उनका अभिवादन किया और सिकंदराबाद में एक भाजपा कार्यकर्ता के आवास के लिए रवाना हो गए।

अमित शाह ने भाजपा कार्यकर्ता एन. सत्यनारायण से चाय पर बातचीत की। 30 साल तक पार्टी की सेवा करने वाले कार्यकर्ता और उनके परिवार के सदस्यों ने शाह का स्वागत किया।

वहां कुछ समय बिताने के बाद वह कुछ किसानों से मिलने के लिए बेगमपेट एयरपोर्ट के पास एक होटल के लिए निकल गए।

किसानों के साथ बैठक के बाद अमित शाह एक जनसभा को संबोधित करने के लिए हेलीकॉप्टर से नलगोंडा जिले के मुनुगोड़े के लिए रवाना हो गए। वहां कोमातीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी, (जिन्होंने हाल ही में मुनुगोड़े विधायक के रूप में इस्तीफा दिया और कांग्रेस पार्टी छोड़ दी) शाह की उपस्थिति में भाजपा में शामिल होंगे।

भाजपा ने जनसभा के लिए बड़ी संख्या में लोगों को जुटाया है, जो उपचुनाव के लिए पार्टी के प्रचार अभियान की औपचारिक शुरूआत भी करेगा।

सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) और विपक्षी कांग्रेस ने शनिवार को मुनुगोड़े में अपने अभियान की शुरूआत की थी।

कांग्रेस पार्टी को फिर बड़ा झटका, आनंद शर्मा ने दिया हिमाचल कमेटी से इस्तीफा

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेन्सी)। अनदेखी किए जाने से नाराज कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने हिमाचल कांग्रेस संचालन समिति से इस्तीफा दे दिया है।

शर्मा के करीबी सूत्रों ने कहा कि उन्होंने राज्य कांग्रेस के कामकाज से अलग रहने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष को अपना पत्र भेजा है, जहां इस साल चुनाव होने हैं।

कांग्रेस के राज्य प्रभारी राजीव शुक्ला ने इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की है और कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि उन्हें इस बारे में पता नहीं है।

गुलाम नबी आजाद द्वारा जम्मू-कश्मीर अभियान समिति के प्रमुख के रूप में नियुक्त किए जाने के बाद इस्तीफा देने के बाद इस्तीफा आया है। दोनों नेता जी-23 का हिस्सा हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने पार्टी द्वारा नामित किए जाने के बाद मंगलवार को जम्मू-कश्मीर अभियान समिति के प्रमुख का पद छोड़ दिया। उनके करीबी सूत्रों ने बताया कि उन्होंने पार्टी नेतृत्व को अपने फैसले से अवगत करा दिया है। हालांकि, दोनों तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

आजाद का इस्तीफा पार्टी में कई लोगों के लिए एक आश्चर्य के रूप में आया है, क्योंकि यह माना जाता है कि महत्वपूर्ण नियुक्तियों के दौरान उनसे सलाह ली गई थी और पार्टी मंचों में सक्रिय थे। उन्होंने कांग्रेस की 'गौरव यात्रा' में भी हिस्सा लिया और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया, जब नेशनल हेराल्ड अखबार मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा सोनिया गांधी को तलब किया गया था।

उच्च सदन में विपक्ष के नेता के रूप में सेवानिवृत्त होने के बाद राज्यसभा के लिए नजरअंदाज किए जाने के बाद से आजाद नाराज हैं।

शर्मा भी जी-23 समूह के प्रमुख नेताओं में से एक हैं, जिन्होंने पार्टी में व्यापक सुधारों की मांग की है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने 26 अप्रैल को हिमाचल प्रदेश प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, सीएलपी नेता और अभियान समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया था। एआईसीसी ने आठ अन्य समितियों की भी घोषणा की थी, जिसमें एक संचालन समिति शामिल थी, जिसके अध्यक्ष आनंद शर्मा और संयोजक के रूप में आशा कुमारी थीं।

शर्मा के कार्यालय के करीबी सूत्रों द्वारा साझा किए गए एक संक्षिप्त नोट में कहा गया है कि पत्र में लिखा गया है, 'समितियों की बहुलता और कार्यों के ओवरलैपिंग को कार्यात्मक उद्देश्यों के लिए स्पष्टता की आवश्यकता है। मैंने जीएस (महासचिव) संगठन और एआईसीसी प्रभारी से अनुरोध किया था कि संचालन समिति के जनादेश और संचालन समिति की भूमिका को स्पष्ट करने के लिए संचालन समिति के आदेश को स्पष्ट करें।'

'एचपीसीसी के कोर ग्रुप और चुनाव रणनीति और तैयारियों पर वरिष्ठ नेताओं की बैठकें दिल्ली और शिमला दोनों में हुई हैं। चुनाव की तैयारियों के लिए 20 जून को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, कांग्रेस विधायक दल के नेता और अध्यक्ष अभियान समिति तथा अन्य समितियों सहित वरिष्ठ नेताओं की बैठकें आयोजित की गईं।'

'7 और 8 अगस्त को प्रभारी और केंद्रीय एआईसीसी पर्यवेक्षकों ने शिमला का दौरा किया। कोर ग्रुप, वरिष्ठ नेताओं और एचपीसीसी जनरल हाउस की बैठकें बुलाई गईं।' 'संचालन समिति के अध्यक्ष को किसी भी बैठक के लिए न तो सूचित किया गया और न ही आमंत्रित किया गया।' 'संचालन समिति के अध्यक्ष ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को एक पत्र में इस्तीफा दे दिया है।' 'श्री शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष को आश्वासन दिया है कि वह कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे।'

कौन बनेगा कांग्रेस ....

रूप में पदभार संभालना चाहिए।

पार्टी के चुनाव प्राधिकरण ने जानकारी देते हुए बताया है कि 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच पार्टी प्रमुख का चुनाव कर लिया जाएगा। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की अंतिम तारीख को लेकर मंजूरी दी जाएगी। लेकिन यह तय माना जा रहा है कि 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच कभी भी चुनाव हो सकता है।

अनुसूचित जाति के जिन नेताओं को शीर्ष पद दिया जा सकता है, उनमें सुशील कुमार शिंदे, मल्लिकार्जुन खड़गे और मीरा कुमार शामिल हैं। खड़गे राहुल गांधी के विश्वासपात्र हैं और कर्नाटक चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

हालांकि, सूत्रों ने कहा कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राज्य यूनिट्स के साथ कई बैठकें की हैं। उन्होंने आम चुनावों से पहले देश के हर जिले का दौरा करने की भी योजना बनाई है। योजना को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है।

बता दें, 2019 के लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद राहुल गांधी ने पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। राहुल के इनकार ने पार्टी को दुविधा में डाल दिया है। उनके करीबी नेता उन्हें फिर से पद संभालने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं।

बेवजह न बढ़े विवाद

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले ही वोटर लिस्ट में नए नाम जोड़े जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। यहां के मुख्य चुनाव अधिकारी ने बुधवार को बताया कि जो मतदाता सूची तैयार की जा रही है, उसमें 25 लाख नए वोटरों के नाम जोड़े जाने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में वोटर लिस्ट में अपना नाम जुड़वाने के लिए डोमिसाइल सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं होगी। इस पर जम्मू-कश्मीर के नेताओं की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने इसे जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र के ताबूत में आखिरी कील बताया है। पूर्व मुख्यमंत्री और नैशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूख अब्दुल्ला ने सोमवार 22 अगस्त को अपने आवास पर इस सिलसिले में एक बैठक बुलाई है। बैठक में बीजेपी को छोड़कर जम्मू-कश्मीर के सभी प्रमुख दलों के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। इन नेताओं की इस तीखी प्रतिक्रिया का कारण यह है कि इन्हें लग रहा है इसके जरिए सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी चुनाव प्रक्रिया को अपने पक्ष में मोड़ना चाहती है। कुछ बातें ऐसी हैं जो इस आशंका को हवा दे रही हैं। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए समाप्त किए जाने से स्थानीय नागरिकों को जमीन, रोजगार और नागरिकता में मिली कथित सुरक्षा समाप्त हो गई। इसके बाद जम्मू-कश्मीर में 15 साल से रह रहे तमाम भारतीय नागरिकों को डोमिसाइल सर्टिफिकेट दिया जाने लगा। अब मुख्य चुनाव अधिकारी के मुताबिक मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए डोमिसाइल सर्टिफिकेट की भी जरूरत नहीं होगी। स्थानीय निवासियों को लग रहा है कि इन उपायों से 20-25 लाख (14 फीसदी से ऊपर) नए मतदाताओं के जरिए इस क्षेत्र का डेमोग्राफिक स्वरूप बदलने की कोशिश हो रही है। हालांकि मुख्य चुनाव अधिकारी के मुताबिक इनमें से बड़ा हिस्सा नए वोटरों का है, जिन्होंने इस बीच 18 साल की आयु सीमा पार की है। फिर यह बात भी है कि देश के अन्य हिस्से के जो लोग यहां रह रहे हैं, उन्हें वोट के अधिकार से वंचित रखने की वकालत नहीं की जा सकती।

इसमें भी दो राय नहीं कि जो बदलाव किए जा रहे हैं, वे नियम कानूनों के अनुरूप ही किए जा रहे हैं। मगर इन सबकी सार्थकता तभी है, जब जम्मू-कश्मीर के लोगों को साथ लेते हुए, उनका भरोसा बनाए रखते हुए आगे बढ़ा जाए। यह बात सही है कि किसी खास दल या नेता को इस क्षेत्र की पूरी आबादी का प्रवक्ता नहीं माना जा सकता, लेकिन इसमें भी शक नहीं कि स्थानीय आबादी का एक बड़ा हिस्सा इनसे जुड़ा रहा है, इन्हें वोट देता रहा है। ऐसे में इन्हें दरकिनार करने के बजाय बातचीत के जरिए इनकी आशंकाएं दूर करना और जहां तक संभव हो इन्हें साथ लेते हुए आगे बढ़ना उपयुक्त होगा।

संपादकीय पृष्ठ

2024 के चुनावों के लिए विपक्ष को और बड़ा गठबंधन बनाने की जरूरत

संजय कुमार

बिहार का उलटफेर, महंगाई-बेरोजगारी और अग्निवीर योजना के खिलाफ युवाओं का आंदोलन, इनसे संकेत मिल सकता है कि सरकार मुश्किल में है। लेकिन इसके बावजूद तथ्य यही है कि 2024 के आम चुनावों के लिए भाजपा अब भी विपक्षियों से बहुत आगे है। इसके तीन कारण हैं। पहला, नरेंद्र मोदी की लोकप्रिय सरकार को कोई एक पार्टी नहीं हरा सकती। इसके लिए विपक्ष को एकजुट होने या कोई गठबंधन बनाने की जरूरत है।

दूसरा, प्रेसिडेंशियल शैली के चुनाव में विपक्ष को मोदी को चुनौती देने वाले किसी एक चेहरे को सामने रखना होगा। जयप्रकाश नारायण या वी.पी. सिंह जैसा कोई नेता, जो सर्वस्वीकार्य हो। ऐसा होना सम्भव नहीं दिखता, क्योंकि अनेक क्षेत्रीय नेता एक-दूसरे को राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की तरह देखते हैं। ऐसे में यह कल्पना करना कठिन लगता है कि कोई ऐसा नेता अचानक उभरकर सामने आ जाएगा, जो सभी क्षेत्रीय पार्टियों को स्वीकृत होगा।

तीसरा, बिहार में राजद और जदयू का साथ आना और क्षेत्रीय पार्टियों का सम्भावित गठजोड़ इस बात का संकेत लग सकता है कि यह मंडल 2.0 की शुरुआत है। लेकिन यह तब तक मंडल 1.0 जितना प्रभावी नहीं हो सकता, जब तक कि विपक्ष के पास कोई सकारात्मक एजेंडा न हो। महज बातें बनाने से ओबीसी वोट विपक्ष की झोली में नहीं आ गिरेंगे। बीते कुछ वर्षों में अगड़े और पिछड़े ओबीसी वोटों में भी टूट देखी गई है, जिससे भाजपा को लाभ हुआ है।

इसमें संदेह नहीं कि बिहार से विपक्ष का हौसला बुलंद हुआ है और उसे एक फ्रेमवर्क मिला है। लेकिन अभी तक तमाम बातें कागजों पर ही हैं और वास्तविकता से कोसों दूर हैं। 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने 37 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। एनडीए के सहयोगियों के साथ मिलकर यह आंकड़ा 45 प्रतिशत पर चला गया था। लेकिन जिन 55 प्रतिशत लोगों ने मोदी को वोट नहीं दिया, उनके वोट कांग्रेस और विभिन्न क्षेत्रीय पार्टियों के बीच बंट गए थे। अनेक राज्यों में बहुकोणीय संघर्ष देखा जाता है, जिसका लाभ भाजपा को मिलता है।

जिन राज्यों में भाजपा की सीधी टक्कर कांग्रेस से होती है, वहां उसका स्ट्राइक रेट 95 प्रतिशत से भी ऊपर चला जाता है। विपक्षी दलों के लिए जरूरी है कि भाजपा को चुनौती देने के लिए न केवल गठबंधन बनाएं, बल्कि ऐसा सीट-शेयरिंग बंदोबस्त भी करें जिससे भाजपा-विरोधी वोट न टूटें। 2019 में कुछ पार्टियों ने इसकी कोशिश की थी, लेकिन नाकाम रहीं। इसका यह मतलब है कि 2024 में विपक्ष को और बड़ा गठबंधन बनाने की जरूरत है।

यह टेढ़ी खीर है। बिहार का राजद-जदयू-कांग्रेस गठजोड़ विपक्ष के लिए एक मॉडल होना चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि क्या विभिन्न क्षेत्रीय दल इस मॉडल को अपनाएंगे? एक समस्या यह भी है कि कुछ क्षेत्रीय दलों का कोर-वोटर लगभग समान है। उन्हें डर है कि अगर उन्होंने गठजोड़ बनाया तो अपने कोर-वोटर गंवा देंगे। क्षेत्रीय नेताओं की लोकप्रियता भी इसमें एक बाधा है।

महागठबंधन में जाने के बाद नीतीश कुमार को 2024 में नरेंद्र मोदी को चुनौती देने वाले नेता के रूप में देखा जाने लगा है। लेकिन सच्चाई यह है कि बिहार में नीतीश की लोकप्रियता भी बीते वर्षों में कम हुई है।

दूसरी तरफ ऐसे अनेक नेता हैं, जो अपने राज्यों में लोकप्रिय हैं, जैसे ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल, केसीआर, नवीन पटनायक या अखिलेश यादव। शरद पवार की प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा किसी से छुपी नहीं है।

हमें यहां मायावती का नाम नहीं भूलना चाहिए। लेकिन गठबंधन बनाने और एक सर्वमान्य नेता चुनने के बाद भी विपक्ष के लिए मोदी को चुनौती देना कठिन होगा। जब मोदी 2024 के चुनावों के लिए प्रचार शुरू करेंगे तो वे राष्ट्रवाद के मजबूत धरातल पर होंगे। तब तक राम मंदिर का निर्माण हो चुका होगा। नया संसद भवन भी राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि पुराना संसद भवन अंग्रेजों ने बनाया था।

भाजपा कह सकती है कि कांग्रेस आदि ने ब्रिटिश गुलामी के इस प्रतीक को हटाने के लिए क्या किया था? सवाल यही है कि क्या विपक्षी दल राष्ट्रवाद का अपना ब्रांड बना सकते हैं और महंगाई-बेरोजगारी जैसे मुद्दों को राष्ट्रवाद का रूप देकर प्रस्तुत कर सकते हैं? लेकिन यह तो भाजपा की ही पिच पर खेलना होगा और इस पिच पर उसे हराना बहुत ही मुश्किल साबित होगा।

क्या विपक्षी दल भाजपा को चुनौती देने के लिए महंगाई-बेरोजगारी जैसे मुद्दों को राष्ट्रवाद का रूप देकर प्रस्तुत कर सकते हैं? लेकिन यह तो भाजपा की ही पिच पर खेलना होगा और इस पर उसे हराना कठिन है।

खोखला साबित होता 'डिजिटल इंडिया' का नारा

आदर्श पाल

जिन समस्याओं को लेकर हम इतने आश्वस्त हो चुके हैं कि उनके मुद्दे अब हमारे लिए खत्म हो गए हैं, उन समस्याओं ने उत्तराखंड के दूरस्थ पहाड़ी जिले बागेश्वर के गांवों में न जाने कितने सपनों और आकांक्षाओं को दबा रखा है। वर्ष 1997 से पहले बागेश्वर अल्मोड़ा जिले का हिस्सा हुआ करता था। विकास की रफ्तार को तेजी देने के लिए इस नए जिले को तीन विकास खंडों-बागेश्वर, गरुड़ और कपकोट में विभाजित किया गया। पर दो दशकों से अधिक समय बीतने के बाद भी यह जिला कई समस्याओं से जूझ रहा है। गरुड़ विकास खंड के चोरसो गांव की लड़कियां कहती हैं कि उन्हें अपने सपने पूरे करने के अवसर ही नहीं मिलते, तो वे कहां से यह सोचें कि उनका विकास कैसे होगा? उन्हें स्कूल जाने के लिए सड़क अच्छी मिल जाए और बाजार तक उनकी पहुंच आसान हो जाए, तो उन्हें लगेगा कि विकास हो रहा है। पर जब उनकी इन्हीं समस्याओं की तुलना घर के लड़कों से करने को कहा गया, तो उनके जवाब अलग थे। इसी जिले के एक अन्य विकासखंड कपकोट के एक गांव उत्तरौड़ा की रहने वाली लड़कियां लैंगिक असमानता पर बेबाकी से अपनी राय रखती हैं और कई परंपराओं पर सवाल भी करती हैं। यहां की कम ही लड़कियां नौकरी करती हैं, क्योंकि जितने मौके लड़कों को मिलते हैं, उतने मौके न तो उन्हें मिलते हैं, न ही परिवार के लोग उन पर खर्च करना चाहते हैं। इस गांव की

ज्यादातर लड़कियों का कहना था कि कोई भी काम लिंग के आधार पर बंटा नहीं होना चाहिए। आजादी के 75 साल बाद भी हमने अपने समाज के अंदर न जाने कितने ही खोखले विचारों एवं रूढ़िवादी परंपराओं को जगह दे रखी है, जिनकी वजह से असंख्य लड़कियों की सपने देखने की आजादी तक छिन गई है। बघर भी कपकोट विकास खंड का एक गांव है, पर कनेक्टिविटी की समस्या से जूझता यह गांव अलग-थलग होकर रह गया है। गांव में न आंगनबाड़ी है, न ही किसी तरह का नेटवर्क आता है। पहाड़ी पर बसे इस गांव तक पहुंचने के रास्ते इतने संकरे और जोखिम भरे हैं कि मुश्किल से सुविधाएं पहुंच पाती हैं। यहां की लड़कियां बताती हैं कि पास में सिर्फ एक ही स्कूल है और अगर उसमें पढाई नहीं करनी, तो पैदल दो घंटे से ज्यादा चलकर जाना पड़ता है। सातवीं में पढ़ने वाली कृष्णा रोज टैक्सी से कपकोट पढ़ने जाती है, जहां पहुंचने में दो घंटे से ज्यादा लगता है। खराब आर्थिक स्थिति और संकुचित सोच के कारण गांव की अधिकतर लड़कियां इतनी दूर पढ़ने नहीं जा सकतीं, अत: पास के स्कूल में पढाई करती हैं। इस गांव की सरिता के मुताबिक, यहां की लड़कियों को बहुत सारे अधिकारों से वंचित रहना पड़ता है। जैसे-माहवारी के दौरान पूरे एक हफ्ते लड़की को घर के बाहर रहना पड़ता है और उस दौरान उसे छुआछूत का भी सामना करना पड़ता है। यहां की लड़कियों से बात करते हुए पता चला कि उनकी समस्याएं दोहरी हैं।

एक तो उन्होंने ऐसी जगह जन्म लिया, जो सुविधाओं से बहुत दूर है, और दूसरी यह कि उन्होंने लड़की के रूप में जन्म लिया है। कोरोना के दौरान जब स्कूल और कॉलेज ऑनलाइन पढ़ाई का रुख करने लगे थे, तब इन गांवों के बच्चे अपनी पढाई से सिर्फ इसलिए दूर हो गए थे, क्योंकि इन सीमावर्ती गांवों में नेटवर्क नहीं आता। 'डिजिटल इंडिया' का नारा यहां खोखला हो जाता है। संविधान द्वारा दिए गए सारे नियम, अधिकार और कानून भी यहां खोखले हो जाते हैं, क्योंकि यहां की लड़कियों को दोयम दर्जे का नागरिक बनकर रहना पड़ रहा है।

कनेक्टिविटी और अन्य मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे इन गांवों में उन कारकों को ढूंढना, जो विकास में बाधा हैं, आपको अन्य सामाजिक समस्याओं की तरफ भी ले जाएंगी। किशोरी बालिकाओं का यह कहना, कि उनकी समस्याएं दोहरी हैं, इस बात की ओर इशारा हैं कि विकास की योजनाओं का क्रियान्वयन भी दोहरा है, जिस कारण समग्र विकास का नारा सिर्फ नारा बनकर रह गया है। इन गांवों की लड़कियों को उम्मीद है कि एक दिन उन्हें भी वे सारे अवसर मिलेंगे, जिनसे उन्हें सदियों से वंचित रखा गया है। लेकिन कैसे? इसका जवाब हर उस समाज को ढूंढना होगा, जो स्वयं को सभ्य कहता है।

जासूसी को लेकर भारत की चिंताएं और कर्जदार श्रीलंका की मजबूरी

हर्ष कक्कड़

भारत और अमेरिका की चिंताओं व आपत्तियों के बावजूद बीते 16 अगस्त को चीनी जासूसी जहाज युआन वांग-5 श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पहुंच गया है। यह जहाज पहले 11 अगस्त को ही पहुंचने वाला था, लेकिन भारत की चिंताओं के कारण इसमें देरी की गई। चीन से चलने के बाद यह रास्ते में कहीं रुका नहीं, हालांकि इसकी गति जरूर धीमी कर दी गई। कोलंबो स्थित चीनी दूतावास ने श्रीलंकाई नेतृत्व को हंबनटोटा में इसे रुकने की अनुमति देने के लिए राजी कर लिया। चीन ने दावा किया कि यह केवल ईंधन भरने और चालक दल के 'रिफ्रेशमेंट' के लिए रुका है। इस जहाज के चालक दल में लगभग 2,000 सदस्य हैं। हंबनटोटा बंदरगाह का निर्माण वर्ष 2010 में चीन से कर्ज लेकर किया गया था। श्रीलंका इस बंदरगाह का फायदा उठाने में इसलिए विफल रहा, क्योंकि ज्यादातर जहाज हंबनटोटा बंदरगाह को बाइपास कर पहले से ही स्थापित कोलंबो बंदरगाह पर रुकते हैं। श्रीलंका सरकार चीन का कर्ज चुकाने में विफल रही और बंदरगाह को भारी नुकसान हुआ। तत्कालीन श्रीलंकाई प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने 99 साल के पट्टे पर एक चीनी कंपनी को बंदरगाह हस्तांतरित करने के समझौते पर दस्तखत किया था। भारत ने चीन के इस जासूसी जहाज पर चिंता जताई थी, लेकिन श्रीलंका के पास सीमित विकल्प थे।

चीनी जहाज युआन वांग-5 भले ही श्रीलंकाई बंदरगाह पर रुका है, लेकिन उसका नियंत्रण चीनियों के हाथ में है। इससे पहले, वर्ष 2014 में दो चीनी पनडुब्बियां, जिसमें एक परमाणु शक्ति वाली पनडुब्बी भी थी, भारत की आपत्तियों के बावजूद श्रीलंका में रुकी थीं। भारत की चिंता इस तथ्य से उपजी है कि युआन वांग मूलत: बैलिस्टिक मिसाइल और उपग्रहों का पता लगाने के लिए तैयार किया गया है, जिसके बारे में यह भी दावा किया जाता है कि यह जासूसी जहाज संचार और अन्य डाटा का पता लगाता है। यह ओडिशा तट स्थित अब्दुल कलाम परीक्षण रेंज से दागी गई भारतीय बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगा सकता है और उनकी सीमा और सटीकता को माप सकता है। इस जहाज की हवाई पहुंच 750 किलोमीटर है, जो दक्षिण भारत स्थित भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों को अपनी निगरानी के दायरे में ला सकती है। इस जहाज को समुद्री सर्वेक्षण के लिए भी तैयार किया गया है, जो पनडुब्बी संचालन के लिए आवश्यक है। चीनी वर्षों से ऐसा करते आ रहे हैं। भारत को इस बात की चिंता है कि भविष्य में अन्य चीनी नौसैनिक जहाज श्रीलंका पहुंच सकते हैं।

चिंता का एक कारण यह भी है कि यह जहाज अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त कोलंबो बंदरगाह पर नहीं, बल्कि चीनी नियंत्रित हंबनटोटा बंदरगाह पर रुका है। इस जहाज का स्वागत अन्य लोगों के साथ कोलंबो स्थित चीनी राजदूत ने किया, जो इस क्षेत्र में चीनी जहाज के आगमन के महत्व को प्रदर्शित करता है। तथ्य यह है कि यह जहाज भारतीय चिंताओं के बावजूद हंबनटोटा में रुका, जिसे चीन की कूटनीतिक जीत माना जा रहा है। इस जहाज की रहस्यमय प्रकृति तब स्पष्ट हुई, जब जहाज की अगवानी करने वाले चीनी राजदूत को भी जहाज पर चढ़ने की अनुमति नहीं दी गई। भारत अपने हितों के क्षेत्र में सभी चीनी नौसैनिक जहाजों की आवाजाही पर नजर रखता है, इसलिए हिंद महासागर में प्रवेश के बाद से युआन वांग-5 की गति का अनुमान लगा सकता है। हालांकि श्रीलंकाई लोगों ने कहा कि वे नहीं चाहते कि हंबनटोटा का इस्तेमाल सैन्य उद्देश्यों के लिए किया जाए, लेकिन इसकी संभावना बहुत कम है, क्योंकि बंदरगाह एक चीनी कंपनी के नियंत्रण में है।

श्रीलंका ने यह कहते हुए डॉकिंग (रुकने) की अनुमति देने के अपने निर्णय का बचाव किया कि यह जहाज एक 'अनुसंधान जहाज' की श्रेणी के तहत बंदरगाह पर आया था। इस जहाज में चीनी नौसैनिक हैं, इसलिए इसे अनुसंधान जहाज नहीं माना जा सकता है। चीनी राजदूत ने संभवत: जहाज को रुकने देने की बीजिंग की इच्छा पर इसलिए जोर दिया, क्योंकि बंदरगाह चीनी कंपनी के अधीन है और जहाज में युद्ध जैसे सामान नहीं हैं, इसलिए इसकी आवाजाही को रोका नहीं जा सकता है, और समझौते के तहत श्रीलंका सरकार के पास सीमित विकल्प हैं। चीन ने हंबनटोटा में रुकने के अपने फैसले का बचाव करते हुए दावा किया, 'युआन वांग-5 की समुद्री वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियां अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय आम रिवाज के अनुरूप हैं।'

भारत के लिए यह हंबनटोटा में रुकने वाले चीनी नौसैनिक जहाजों की एक शृंखला की शुरुआत हो सकती है। दीर्घ काल में इस बंदरगाह का सैन्यीकरण भी किया जा सकता है। भले ही श्रीलंका भारत के करीब है और विशेष रूप से आर्थिक पतन के बाद सहायता के लिए भारत पर निर्भर है, लेकिन वह एक स्वतंत्र देश है, जिसके चीन के साथ अपने संबंध हैं। श्रीलंका पर चीन का आठ अरब डॉलर का बकाया है, जबकि आर्थिक पतन से उबरने के लिए संघर्ष कर रहे श्रीलंका को भारत चार अरब डॉलर की सहायता दे रहा है। इस तरह से भारत श्रीलंका को कुछ हद तक ही मदद कर सकता है, लेकिन उससे आगे श्रीलंका सरकार स्वयं अपना निर्णय लेगी। एक बार जब श्रीलंका ने जहाज को रुकने की अनुमति देने की घोषणा कर दी, उसके बाद भारत सरकार ने कोई बयान नहीं दिया।

यह संभव है कि श्रीलंकाई नेतृत्व ने भारत से परामर्श किया हो और अपनी दुविधा बताई हो, जिसे भारत ने मान लिया होगा। भारत ने चीनी जहाज के आगमन से ठीक एक दिन पहले श्रीलंका को एक डोर्नियर विमान उपहार में दिया था, जिसका अर्थ है कि युआन वांग-5 के रुकने का भारत-श्रीलंका संबंधों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। चीनी जहाज शीघ्र ही हंबनटोटा बंदरगाह से प्रस्थान कर सकता है, हालांकि, अगले कुछ महीनों के लिए वह हिंद महासागर में रहेगा और भारतीय गतिविधियों की निगरानी के साथ-साथ समुद्री सर्वेक्षण भी करेगा। भारतीय नौसैनिक एजेंसियां इस जहाज की निगरानी करती रहेंगी, क्योंकि यह भारत के हितों के क्षेत्र में काम करेगा। चीनी जहाजों की आवाजाहीकी निगरानी से ज्यादा जरूरी यह है कि हम अपने हितों के क्षेत्र में चीनियों का मुकाबला करने के लिए अपनी खुद की नौसैनिक शक्ति का विकास करें।

असम में परीक्षा के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं 4 घंटे के लिए निलंबित

गुवाहाटी, 21 अगस्त (एजेन्सी)। विभिन्न सरकारी विभागों के लगभग 30,000 ग्रेड-3 और 4 पदों की भर्ती परीक्षा के दौरान नकल रोकने के लिए असम के 25 जिलों में रविवार को मोबाइल इंटरनेट सेवाएं चार घंटे के लिए बंद कर दी गईं।

अधिकारियों के अनुसार, इंटरनेट सेवाओं के निलंबन के अलावा, सरकारी आदेशों के अनुसार, सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा भी परीक्षा केंद्रों और उसके आसपास लागू की गई थी।

अधिकारियों ने कहा कि लगभग 30,000 ग्रेड-3 और 4 पदों के लिए 14.30 लाख से अधिक उम्मीदवारों के उपस्थित होने की उम्मीद है, जिसके लिए परीक्षाएं 21 अगस्त, 28 अगस्त और 11 सितंबर को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, असम (एसईबीए) द्वारा आयोजित की जा रही हैं।

जबकि ग्रेड- 4 पदों के लिए चयन परीक्षा रविवार को दो पालियों में आयोजित की गई थी। ग्रेड-3 पदों के लिए टेस्ट 28 अगस्त और 11 सितंबर को होंगे।

वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि राज्य के स्वामित्व वाली बीएसएनएल के अलावा, निजी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने भी अपनी मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया।

सुरक्षा बलों के विशाल दल को तैनात करने के अलावा, अधिकारियों ने मोबाइल फोन (स्विच-ऑफ मोड में भी), इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या प्रोग्राम योग्य डिवाइस या स्टोरेज मीडिया डिवाइस जैसे स्मार्ट वॉच, हेल्थ बैंड, इलेक्ट्रॉनिक पेन, स्कैनर, ब्लूटूथ डिवाइस, इयरफोन, माइक्रोफोन या कोई अन्य उपकरण जो या तो काम कर रहे हों या स्विच ऑफ मोड में हों, जिनका उपयोग उम्मीदवारों द्वारा संचार उपकरण, कैलकुलेटर, पेन ड्राइव आदि के रूप में किया जाता है, उन सभी को ले जाने पर रोक लगा दी थी।

मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है .

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संध्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुकाचार्य के कारण संध्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संध्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त की। शक्तियों के कारण संध्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संध्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संध्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शक्तिशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संध्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आएं। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें–
ऊँ शनैश्वराय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मिटटी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।
- गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पान के पांच पत्ते चंद्रमा को अर्पित करें। बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लेँ। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ भू पुत्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

बुध के लिए

बुधवार को छः मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छः सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ बुधाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।
- केले के पत्ते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ बृहस्पते नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।
- बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

शुक्र के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लेँ। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ शुक्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।
- गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आएं और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ सूर्याय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ राहवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ केतवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।
- फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

कौन-से देवता होते हैं भादो मास में प्रसन्न

भाद्रपद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार वर्ष का छठा महीना और चतुर्मास का दूसरा महीना है। इसे भादो भी कहते हैं। आओ जानते हैं कि इस पवित्र माह में कौनसे 10 देवताओं की पूजा करने से वे होते हैं प्रसन्न।

- **श्रीकृष्ण** : इसी माह में कृण जन्मोत्सव मनाया जाता है, क्योंकि उनका जनन्म भाद्रपद की अष्टमी को हुआ था। डोल ग्यारस तक उनके जन्मोत्सव की धूम रहती है। इस माह में उनकी पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलरामजी की जयंती भी रहती है।
- **माता पार्वती** : इस माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरितालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। व्रत रखकर माता दुर्गा, पार्वती और शिवजी की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **गणेश जी** : भाद्रपद की शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव मनाया जाता है। भगवान गणेश की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **विश्वकर्मा जी** : भाद्रपद की परिवर्तनी एकादशी के दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **भगवान विष्णु** : भाद्रपद की चतुर्दशी को भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा होती है। इसी पूजा से अनंत भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा भाद्रपद की अजा और परिवर्तनी एकादशी के दिन भी भगवान विष्णु की पूजा होती है।
- **श्रीराधा जी** : भाद्रपद की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को श्री कृष्ण का जन्म और शुक्ल अष्टमी को राधाजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। राधा अष्टमी के दिन राधाजी की श्री कृष्ण के साथ पूजा करने से वे प्रसन्न होती हैं।
- **पितृदेव** : भाद्रपद माह की पूर्णिमा से ही श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो जाता है। इस माह में पितृदेव या पितरों के देव अर्यमा को प्रसन्न किया जाता है। ऋषियों की पूजा के साथ पितृदेव की पूजा करें।
- **शिव जी** : चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद विष्णुजी पाताल लोग में योगनिद्रा में चले जाते हैं तब चार माह के लिए शिवजी अपने रुद्र रूप में सृष्टि का संचालन करते हैं अतः इस माह में शिवजी के रुद्र रूप की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन उनकी पूजा करने चाहिए।
- **सूर्यदेव** : इस माह में सूर्यदेव की पूजा भी की जाती है। उन्हें अर्घ्य देने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **हनुमान जी** : भाद्रपद के अंतिम मंगलवार को बुढ़वा मंगलवार मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन रावण ने उनकी पूंछ में आग लगा दी थी। जिसके चलते लंका दहन हो गया था।

श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोदंड, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था सारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।

- भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा।
- शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।
- कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।
- कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1.गांडीव, 2. पिनाक और 3.सारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।
- यह भी कहा जाता है कि वत्तासुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए दधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने- 1.गांडीव, 2.पिनाक और 3.सारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वत्तासुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।
- एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्व के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्व ने कृष्ण के बाएं हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्व के सिर को धड़ से अलग कर दिया।
- कहते है कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गांडिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के नास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवरात को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।
- शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।

हताशा से घिर जाएं तो यह उपाय अपनाएं

हमारे आसपास अगर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है तो यह जीवन में हताशा लाता है। इसके लिए वास्तु दोष भी कारण हो सकते हैं। अगर मन में नकारात्मक विचारों का प्रवाह बढ़ रहा है तो वास्तु में बताए गए आसान से उपायों को अपना सकते हैं। यह उपाय जीवन जीने की प्रेरणा देंगे और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाएंगे। हताशा अगर घेरने लगे तो शिव स्तुति, महामृत्युंजय मंत्र, शिवकवच, देवीकवच का पाठ करें। नियमित रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पांच अन्न गेहूं, ज्वार, चावल, मूंग, जवा और बाजरा का दान करें। पक्षियों को अन्न खिलाएं। नमक के जल से स्नान करें। घर में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक हैं। घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छे से साफ करें। अगरबत्ती या धूप जलाएं। गायत्री मंत्र का उच्चारण करें। घर में हवन या पूजा कराएं। घर को व्यवस्थित रखें। पुराने पर्दे या चादरें बदल दें। घर के जिस हिस्से में नकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता हो वहां जोर-जोर से ताली बजाएं। तुलसी के पौधे को घर में जरूर लगाएं। शनिवार के दिन वस्त्र और भोजन बांटें। घर में सदैव शांति बनाए रखने का प्रयास करें। यह भी माना जाता है कि किसी दूसरी जगह जाने से हताशा और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल जाता है।

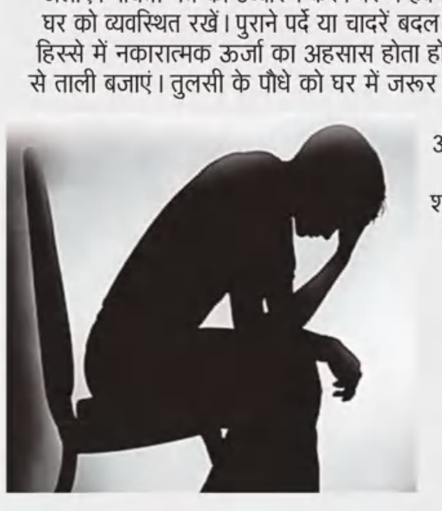

घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में। घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें। हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नहीं छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें। घर की छत पर लाल रंग की पताका लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें। घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसो के तेल का दीपक भी जलाएं। दक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोएं। पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।

सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

राधा अष्टमी व्रत कब है

इस वर्ष रविवार, 4 सितंबर को श्री राधा अष्टमी पर्व मनाया जाएगा। यह त्योहार प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवती शक्ति और भगवान श्री कृष्ण की बाल सहचरी राधा जी का जन्म हुआ था। राधा रानी के पिता वृषभानु और माता का नाम कीर्ति था। राधा जी ने अधिकतर समय वृंदावन में ही बिताया था। राधा-कृष्ण के मिलन को लेकर कई स्थानों पर अलग-अलग वर्णन है। कहा जाता है कि पहली बार राधा जी ने कृष?ण जी को तब देखा था, जब मां यशोदा ने उन्हें ओखले से बांध दिया था। कहीं-कहीं यह वर्णन भी मिलता हैं कि वे पहली बार अपने पिता वृषभानु के साथ गोकुल आई थी, तब उन्होंने कृष्ण जी को पहली बार देखा था। कुछ विद्वानों लिखते हैं कि दोनों की पहली बार मुलाकात संकेत तीर्थ पर हुई थी और वहीं दोनों प्रेम बंधन में बंध गए थे। ब्रह्मवैवर्त पुराण में बताया जाता है कि एक बार राधा रानी गोलोक में कहीं दिखाई नहीं दे रही थीं तब भगवान श्री कृष्ण दूसरी सखी के साथ विहार करने लगे। इस बात से राधा रानी क्रोधित हो गईं। यह देखकर कृष्ण के मित्र श्रीदामा ने राधा जी को श्राप दिया कि आपको पृथ्वी लोक में जन्म लेकर श्री कृष्ण का विरह सहन करना होगा। और फिर इसी श्राप के फलस्वरूप राधा जी ने पृथ्वी पर वृषभानु के परिवार में जन्म लिया। यह भी माना जाता है कि राधा रानी ने कीर्ति जी के गर्भ से जन्म नहीं लिया था?। वो वृषभानु जी को तपस्थली पर मिली थीं। ऐसा माना जाता है कि राधा जी वृंदावन की अधीश्वरी हैं। राधा जी को भगवान श्री कृष्ण की जीवन ऊर्जा भी माना जाता है। राधा और कृष्ण एक साथ मौजूद हैं इसलिए उन्हें 'राधाकृष्ण' भी कहा जाता है। भाद्रपद शुक्ल अष्टमी का दिन राधा अष्टमी और राधा जयंती के रूप में मनाया जाता है। राधा जी के जन्मस्थान बरसाना में यह दिन बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह भगवान श्री कृष्ण और राधा के बीच प्रेम के निस्वार्थ बंधन को समर्पित दिन है। राधा के बिना श्री कृष्ण का व्यक्तित्व अपूर्ण माना जाता है। यदि श्रीकृष्ण के साथ से राधा जी को हटा दिया जाए तो श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व माधुर्यहीन हो जाता। ऐसा माना जाता हैं कि राधा के ही कारण श्रीकृष्ण रासेश्वर हैं।

अमेरिकी वित्त विभाग का शीर्ष अधिकारी यूक्रेन पर तनाव के बीच भारत की यात्रा करेगा

वाशिंगटन। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से पहली बार अमेरिका के वित्त विभाग का एक शीर्ष अधिकारी भारत की आधिकारिक यात्रा करेगा। फरवरी में शुरू इस युद्ध पर भारत के निष्पक्ष रुख को लेकर चिंताओं के बीच अमेरिका चाहता है कि इन बैठकों में इस पर ध्यान केंद्रित किया जाए कि दक्षिण एशियाई देश के साथ संबंधों को कैसे मजबूत किया जा सके। उप-वित्त मंत्री वैली अडेयेमो मुंबई और नयी दिल्ली की यात्रा करेंगे और इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय के अधिकारियों, वित्त मंत्रालय, भारत के रिजर्व बैंक और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठकें करेंगे। भारत के 2023 में 20 अंतरसरकारी समूह का नेतृत्व करने की तैयारी पर वित्त विभाग ने कहा कि अडेयेमो ''ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने, दुनियाभर में खाद्य असुरक्षा और धन के अवैध प्रवाह से निपटने जैसी अहम साझा प्राथमिकताओं पर चर्चा'' करेंगे। गौरतलब है कि भारत ने अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ क्वाड गठबंधन में शामिल होने के बावजूद रूस का साथ नहीं छोड़ा। इसके बजाय उसने रूस से अपने कारोबारी संबंध बनाए हुए हैं और वह ऊर्जा तथा अन्य निर्यात के लिए क्रेमलिन पर निर्भर है। वहीं, अमेरिका और यूरोप, रूस के ऊर्जा संसाधनों से दूर जा रहे हैं और वित्त विभाग के अधिकारी रूसी तेल की कीमत पर सीमा लगाने को बढ़ावा दे रहे हैं। वित्त विभाग ने एक बयान में कहा कि अडेयेमो मुंबई में वित्तीय सेवाओं और ऊर्जा क्षेत्र के कार्यकारियों से मुलाकात करेंगे और अमेरिका तथा भारत के बीच आर्थिक संबंध मजबूत करने के बारे में बात करेंगे।

तुर्की- दो भीषण सड़क हादसों में 35 लोगों ने जान गंवाई

इस्तांबुल। तुर्की में शनिवार का दिन काफी भारी पड़ा यहां दो अलग-अलग सड़क हादसों में 35 लोगों की जान चली गई, जिसके बाद अधिकारियों ने दोनों हादसों की जांच शुरू कर दी है। पहली दुर्घटना गाजिअनटेप और निजिप के बीच राजमार्ग पर हुई, जहां एक यात्री बस और आपात टीम को ले जा रहे वाहन के बीच टक्कर हो गई। आपात टीम मारडिन प्रांत के डेरिक जा रही थी। गृह मंत्री सुलेमान सोयुलू ने बताया कि इस घटना में तीन दमकलकर्मी, दो चिकित्साकर्मी और दो पत्रकार समेत 15 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मारे गए लोगों में से आठ लोग बस में सवार थे। खबर के मुताबिक दुर्घटना में शामिल लोगों की मदद करने के लिए गए उसके दो पत्रकार भी इस हादसे में मारे गए हैं। टेलीविजन फुटेज में हादसे के बाद एक एंबुलेंस का पीछे का हिस्सा गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त दिखा और बस राजमार्ग के किनारे की तरफ मुड़ गई। गाजिअनटेप के गवर्नर दावुत गुल ने कहा कि घटना में 22 लोग घायल हो गए। एक अन्य हादसा डेरिक में हुआ जब एक ट्रक का ब्रेक फेल हो जाने से उसने दो वाहनों को टक्कर मार दी। इस बीच, घटनास्थल पर पहुंची आपात टीम और उपस्थित भीड़ को एक अन्य ट्रक ने टक्कर मार दी। सोयुलू ने बताया कि डेरिक में हुए हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। मामले में दो चालकों को हिरासत में लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। सड़क सुरक्षा के मामले में तुर्की का रिकॉर्ड खराब रहा है। सरकार के मुताबिक, पिछले साल सड़क हादसों में 5,362 लोगों की मौत हुई थी।

भूटान भी भारी आर्थिक संकट में फंसा

भूटान । भूटान इन दिनो आर्थिक संकट से जूझ रहा है। विदेशी मुद्रा के संकट को देखते हुए भूटान ने कृषि मशीनरी, हेवी अर्थ मूविंग मशीनों, सभी वाहनों के आयात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। भूटान की अर्थव्यवस्था में तेजी के साथ गिरावट आई है। इस स्थिति से निपटने के लिए भूटान सरकार ने आयात को प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया है। भूटान ने अर्थव्यवस्था और विदेशी मुद्रा संकट की स्थिति को देखते हुए त्वरित निर्णय लेना शुरू कर दिया है। लगता है, श्रीलंका की हालत को देखते हुए भूटान ने समय रहते अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। भारत बेपरवाह वलभारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार संतुलन बिगड़ा हुआ है। रुपए के मूल्य में लगातार डॉलर के मुकाबले गिरावट हो रही है। आयात अधिक हो रहा है, निर्यात कम हो रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में भी हर सप्ताह गिरावट देखने को मिल रही है। इसके बाद भी भारत सरकार ने अभी तक अपने आयात- निर्यात व्यापार को संतुलित करने की कोशिश नहीं की।

फिनलैंड में प्रधानमंत्री के लीक वीडियो को लेकर विवाद उपजा

हेलसिंकी । फिनलैंड में लीक हुए एक वीडियो में प्रधानमंत्री सना मारिन एक निजी पार्टी में दोस्तों के साथ नाचती और गाती नजर आ रही हैं, जिससे जनता के बीच यह बहस शुरू हो गई है कि सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति के लिए ऐसा आचरण कितना उपयुक्त है और वो भी यूक्रेन पर पड़ोसी देश रूस के हमले के

वक्त। वीडियो में 36 वर्षीय मारिन कैमरे को पोज देती हैं। इस दौरान वह अच्छा समय बिताती हैं। फिनलैंड और पूरी दुनिया में पार्टी करने वाले युवा और कम उम्र के लोग सोशल मीडिया पर रोजाना ऐसे ही अनगिनत वीडियो साझा करते हैं लेकिन लीक वीडियो ने फिनलैंड के लोगों के बीच एक बहस शुरू कर दी है कि प्रधानमंत्री के लिए किस स्तर की मौज मस्ती उपयुक्त है, विशेष रूप से यूक्रेन पर पड़ोसी रूस के हमले को देखते हुए, जिसने लंबे समय से तटस्थ फिनलैंड और स्वीडन को नाटो सदस्यता के लिए आवेदन करने के लिए प्रेरित किया है। मध्यमार्गी-वामपंथी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी का नेतृत्व करने वाली मारिन को पार्टी के बारे में सवालों की बौछार का सामना करना पड़ा है- क्या पार्टी में मादक पदार्थ थे? शराब थी? वह काम कर रही थीं या गर्मी की छुट्टी पर थीं? क्या प्रधानमंत्री इतने होश में थीं कि किसी आपात स्थिति से निपटने में वह सक्षम थीं? पार्टी में जाहिर तौर पर किसी ने यह वीडियो बनाया था जो सोशल मीडिया पर लीक हो गया और इस हफ्ते फिनलैंड की मीडिया का इस पर ध्यान आकर्षित किया।

इंडोनेशिया में मंकीपॉक्स का पहला मरीज मिला

जकार्ता । इंडोनेशिया में मंकीपॉक्स का पहला मामला सामने आया है। राजधानी जकार्ता में रहने वाले 27 वर्षीय युवक में मंकीपॉक्स संक्रमण की पुष्टि हुई है। वह आठ अगस्त को विदेश यात्रा से इंडोनेशिया लौटा था। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा ?कि युवक में पांच दिन बाद मंकीपॉक्स के लक्षण उभरने लगे। हाल ही में जांच रिपोर्ट में उसमें संक्रमण की पुष्टि हो गई। वह अपने घर में पृथक रह रहा है। जानकारी के मुताबिक मंकीपॉक्स एक ऐसा संक्रमण है, जो 20 दिन बाद ठीक हो जाता है, बशर्ते मरीज में पहले से कोई स्वास्थ्य समस्या न हो। सरकार को मंकीपॉक्स का प्रसार रोकने के लिए फिलहाल सामुदायिक स्तर पर कोई प्रतिबंध लगाने की जरूरत नहीं नजर आ रही है। वैश्विक स्तर पर लगभग 90 देशों में मंकीपॉक्स के 31,000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। पिछले महीने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंकीपॉक्स संक्रमण को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था।

ब्रिटेन- पीएम की दौड़ में पिछड़े ऋषि सुनक को जन्माष्टमी के बाद मिला माइकल गोव का साथ, चमत्कार की उम्मीद

लंदन । ब्रिटेन में इन दिनों भारतीय मूल के ऋषि सुनक की चर्चा जोरो पर है वे यहां के प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में शामिल है और विदेश मंत्री लिज़ ट्रस के उनका मुकाबला है। ऋषि सुनक लगातार कहते रहे हैं कि वह जनता को खुश करने के लिए कोई वादा नहीं कर सकते। ऋषि लगातार कहते रहे हैं कि टैक्स में कटौती नहीं की जा सकती। वहीं, लिज़ ट्रस अपने भाषणों में पीएम बनने के बाद तुरंत टैक्स छूट का वादा कर रही है, जिसे ऋषि सुनक एक खराब फैसला बताते आए हैं। अब ऋषि सुनक को कंजर्वेटिव पार्टी के एक वरिष्ठ सांसद और टोरी सदस्य का समर्थन मिला है। पूर्व मंत्री माइकल गोव ने कहा है कि ऋषि सुनक के पास वह क्वालिटी है जो प्रधानमंत्री बनने के लिए चाहिए।

माइकल गोव को नाटकीय रूप से पिछले महीने निवर्तमान प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने बर्खास्त कर दिया था। गोव ने प्रधानमंत्री बनने की रेस में आगे चल रहीं, लिज़ ट्रस की कर-कटौती योजना को वास्तविकता से परे बताया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व के मामले में ऋषि सुनक ही सही तर्क दे रहे हैं। वही हैं जो मतदाताओं को सच बता रहे हैं। गोव ने लिखा, 'मुझे पता है कि प्रधानमंत्री बनने के लिए क्या क्वालिटी चाहिए और ऋषि के पास वह है।'

जन्माष्टमी के ठीक बाद लिखे लेख में गोव ने कहा, 'इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आने वाली सरकार अपनी केंद्रीय आर्थिक योजना के रूप में क्या अपनाएगी। मैं इस बात को लेकर चिंतित हूं कि कई लोगों द्वारा नेतृत्व की बहस वास्तविकता से अलग है। कॉस्ट ऑफ लिविंग एक चुनौती है, लेकिन इसके लिए सबसे आसान जवाब करों में कटौती नहीं हो सकता है।'

कनाडा में रिचमंड मैरीटाइम फेस्टीवल में भाग लेने के लिए पहुंचे प्रतिभागी।

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा कोरोना वायरस से संक्रमित, पीएम मोदी ने जल्द स्वस्थ होने की कामना की

तोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा रविवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए और ठीक होने तक उन्होंने अपने आगामी दौरे को रद्द कर दिया है। जापानी मीडिया की खबरों में कहा गया है कि किशिदा (65) को शनिवार देर रात बुखार और खांसी हुई तथा

रविवार को उनमें संक्रमण की पुष्टि हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से फिलहाल इस पर टिप्पणी नहीं की गई है। प्रधानमंत्री पिछले सप्ताह गर्मी की छुट्टी पर थे और सोमवार को काम पर लौटने वाले थे। यह स्पष्ट नहीं है कि वह कहां और कैसे संक्रमित हुए। लोक प्रसारक 'एनएचके' के अनुसार, किशिदा इस महीने के अंत में ट्यूनीशिया में अफ्रीकी विकास पर एक सम्मेलन में नहीं जा पाएंगे, लेकिन इसमें डिजिटल तरीके से भाग लेंगे तथा उन्होंने पश्चिम एशिया की अपनी यात्रा स्थगित कर दी। जापान में हाल के समय में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी हुई है हालांकि, किशिदा समेत अधिकतर लोग टीका ले चुके हैं। हाल में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन भी कोरोना वायरस से संक्रमित हुए थे।

काट्सा पर भारत के लिए झुका अमेरिका, सामने आई रूस की कमजोरी: दिमित्री सुगाएव

मॉस्को (एजेंसी)।

काट्सा से भारत को मिली छूट को लेकर रूस ने अमेरिका पर सवाल उठाया है। रूस ने कहा कि भारत के लिए अमेरिका द्वारा लिए गए इस फैसले ने अमेरिका की कमजोरी जाहिर कर दी है। खास बात है कि पश्चिम के कड़े प्रतिबंधों का सामना कर रहे रूस के हथियार निर्यात मामले में भुगतान खासे प्रभावित हो रहे हैं। रूस ने इन प्रतिबंधों पर भी सवालिया निशान लगाए हैं। रूस के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि एस 400 खरीद के लिए भारत को प्रतिबंधों से राहत देना अमेरिका की कमजोरी को दिखाता है।

अमेरिका में हाउस ऑफ रेप्रेजेंटेटिव ने उस संशोधन को मंजूरी दी थी, जिसमें भारत को काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शन्स एक्ट यानी काट्सा के तहत प्रतिबंधों से जुलाई में छूट दी गई थी। रूस के फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री-टेक्निकल कॉपरेशन (एफएसएमटीसी) के प्रमुख दिमित्री सुगाएव ने कहा, भारत और रूस के बीच एस-400 की सप्लाई के लिए हुए कॉन्ट्रैक्ट को अमेरिका ने रूसी हथियारों के के खिलाफ लगे प्रतिबंधों का उल्लंघन बताया था।

अमेरिकी पक्ष ने किस वजह से अपना फैसला बदला? मुझे नहीं पता लेकिन संभावनाएं हैं कि इसकी वजह उनकी कमजोरी है। इसी सिस्टम को लेकर तुर्की पर प्रतिबंध लगाए गए थे। रूसी निर्यात की देखरेख करने वाले सुआगेव ने कहा पश्चिमी प्रतिबंध अनुचित कारोबार के बराबर हैं। साथ ही यह %स्वतंत्र राष्ट्रों के अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के संप्रभु अधिकार का हनन है। प्रतिबंधों को लेकर उन्होंने कहा कि नया उत्पादन और लॉजिस्टिकल चेन स्थापित की गई हैं। खबरें थी कि पश्चिम की तरफ से लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के चलते भुगतान प्रक्रिया मुश्किल हो गई थी।

सलमान रुश्दी पर दिए बयान को लेकर इमरान खान की सफाई, कहा- हमले से संबंधित मेरी बात को गलत अर्थ में लिया गया

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को दावा किया कि लेखक सलमान रुश्दी की हत्या के प्रयास के बारे में एक ब्रिटिश अखबार को दिए गए उनके बयान का गलत अर्थ निकाला गया। रुश्दी (75) पर गत सप्ताह लेबनानी मूल के अमेरिकी नागरिक 24 वर्षीय हादी मातर ने चाकू से हमला कर दिया था। द गार्डियन अखबार को दिए एक साक्षात्कार में खान ने रुश्दी पर किए गए हमले की निंदा की थी और दावा किया था कि लेखक के प्रति मुसलमानों का गुस्सा जायज है लेकिन हमले को सही नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि, पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ के अध्यक्ष के आधिकारिक ट्विटर खाते से दावा किया गया कि इमरान के बयान को गलत अर्थ में लिया गया। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार के मुताबिक, इमरान ने 2012 में भारत में एक सम्मेलन में भाग लेने से इसलिए इनकार कर दिया था क्योंकि उसमें रुश्दी शामिल होने वाले थे। उन्होंने कहा, ''साक्षात्कार में मैंने ईशनिंदा करने वालों को सजा देने के इस्लामी तरीके को समझाया था।

राजपक्षे स्वदेश लौटे, पर उन पर चलाया जाए धन के दुरुपयोग का मामला: अजीत पी. परेरा

हेलसिंकी (फिनलैंड) (एजेंसी)।

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका के मुख्य विपक्षी दल समागी जना बालवेगया (एसजेबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अजीत पी. परेरा ने कहा कि देश के पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को देश लौटने का अधिकार है, क्योंकि वह श्रीलंका के नागरिक हैं। लेकिन धन के दुरुपयोग के आरोपों के लिए उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। राजपक्षे (73) देश छोड़कर चले गए हैं और देश की अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन के लिए सरकार के खिलाफ हुए विद्रोह के कारण उन्होंने पिछले महीने इस्तीफा दे दिया था।

एसजेबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अजीत पी. परेरा ने कहा गोटबाया राजपक्षे इस देश के नागरिक हैं और उन्हें अपनी मातृभूमि लौटने का अधिकार है। इस अधिकार से कोई इनकार नहीं कर सकता। लेकिन, धन के दुरुपयोग के आरोपों के लिए उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए।

श्रीलंका का संविधान पूर्व राष्ट्रपतियों को व्यक्तिगत सुरक्षा और कर्मचारियों के साथ एक कार्यालय सहित विशेषाधिकार देता है। परेरा ने कहा उनके खिलाफ अपने माता-पिता के स्मारक के लिए राजकीय कोष को कथित रूप से खर्च करने का मामला था। उन्हें मुकदमे का सामना करना होगा और दोषी पाए जाने पर दंडित किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें संविधान के अनुसार कानूनी छूट नहीं है। एसजेबी ने राजपक्षे की सरकार पर भारत द्वारा प्रदान की गई एक अरब अमेरीकी डॉलर की ऋण सुविधा का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है जो कि वित्तीय सहायता के तहत नकदी की कमी वाले राष्ट्र को अपने अभूतपूर्व आर्थिक संकट से निपटने में मदद करने के लिए दी गई थी। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राजपक्षे अमेरिका के ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं, क्योंकि वह अपनी पत्नी लोमा राजपक्षे के अमेरिकी नागरिक होने के कारण आवेदन करने के योग्य हैं। राजपक्षे ने 2019 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए अपनी अमेरिकी नागरिकता त्याग दी थी।

रूस ने क्रीमिया में यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए, यूक्रेन ने भी हमले तेज किए

कीव (एजेंसी)।

रूसी प्राधिकारियों ने शनिवार को क्रीमिया में यूक्रेन के ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया। रूसी सेना ने यूक्रेन के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में भी हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूसी सेना ने पूर्वी यूक्रेन में कुछ शहरों में से एक पर कब्जा जमाने के प्रयासों को आगे बढ़ाया, जो पहले से ही उनके नियंत्रण में नहीं है। रूस ने 2014 में यूक्रेन से क्रीमिया छीना था। क्रीमिया में रूसी प्राधिकारियों ने बताया कि स्थानीय वायु रक्षा बलों ने सेवस्तोपोल में 'रशियन ब्लैक सी फ्लीट' के मुख्यालय पर एक ड्रोन को मार गिराया। यह तीन सप्ताह में मुख्यालयों पर ड्रोन को मार गिराने की दूसरी घटना है।

क्रीमिया के गवर्नर सर्गेइ अक्सियोनोव के सहायक ओलेग क्रायुचकोव ने शनिवार को यह भी कहा कि पश्चिमी क्रीमिया में ''छोटे ड्रोनों से हमले'' किए गए। गवर्नर ने टेलीग्राम पर कहा, ''वायु रक्षा प्रणालियों ने शनिवार सुबह क्रीमिया पर सभी ड्रोनों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया। जान या माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है।'' ये घटनाएं क्रीमिया में रूसी सेना की कमजोरियों को उजागर करती हैं। रूस के काला सागर के नौसेना मुख्यालय पर 31 जुलाई को एक ड्रोन हमले में पांच लोग घायल हो गए थे। इस सप्ताह क्रीमिया में रूस के एक गोला बारुद के गोदाम में विस्फोट हुआ था। पिछले सप्ताह क्रीमिया में वायु सेना के एक अड्डे पर रूस के नौ युद्धक विमानों को नष्ट कर दिया गया था।

यूक्रेनी प्राधिकारियों ने इन हमलों की सार्वजनिक तौर पर जिम्मेदारी लेना बंद कर दिया है। लेकिन राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने क्रीमिया में हमलों के लिए यूक्रेनी सेना के जिम्मेदार होने का संकेत दिया है। इस बीच, हाल के सप्ताहों में क्रीमिया के उत्तर में दक्षिणी यूक्रेनी क्षेत्रों में लड़ाई तेज हो गयी है। यूक्रेनी सेना ने रूस को उन शहरों से खदेड़ने की कोशिश की है, जहां पर उन्होंने छह महीने पुराने युद्ध के शुरुआत से ही कब्जा जमा रखा है। यूक्रेन के अभियोजक कार्यालय ने बताया कि मायकोलेव क्षेत्र के वोजनेसेंस्क शहर में शनिवार को रूस के मिसाइल हमले में तीन बच्चों समेत 12 लोग घायल हो गए और कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। दो बच्चों की हालत गंभीर है और एक बच्चे ने एक आंख गंवा दी है। वहीं, यूक्रेन के हवाई हमले भी जारी हैं। उसने जापोरिज्जिया क्षेत्र में रूस के कब्जे वाले शहर मेलितोपोल में हमले किए। यूक्रेनी सेना ने शनिवार को कहा कि उसने रूस की एक रडार प्रणाली और अन्य उपकरण तबाह कर दिए।

यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र पर बमबारी ने पैदा किए कई खतरे

लंदन (एजेंसी)।

(द कन्वरसेशन) रूस के कब्जे वाले झापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र में हाल में बमबारी तेज होने से अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गयी हैं। यूक्रेनी कर्मी सख्त नियंत्रण और दबावपूर्ण स्थितियों में इस बड़े संयंत्र का संचालन कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन हमले जारी रहने और नुकसान के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इस संघर्ष में गलत सूचनाओं और फर्जी खबरों ने एक अहम भूमिका निभायी है और इसलिए अभी यह पता नहीं है कि हालात क्या हैं। अभी इसकी संभावना नहीं लगती कि दोनों पक्षों में से कोई भी यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचाना चाहेगा, जिससे कि रेडियोधर्मी पदार्थ का रिसाव हो।

संयंत्र में काम करने वाले यूक्रेनी कर्मियों ने दावा किया कि रूस जानबूझकर गैर-महत्वपूर्ण उपकरणों को निशाना बना रहा है। परमाणु संयंत्र पर जानबूझकर हमला किए जाने से अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन होगा। यह संयंत्र चेर्नोबिल की तरह नहीं है, जो दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु आपदा वाली जगह है। चेर्नोबिल एक पुराने रिएक्टर की तरह था। झोपोरिज्जिया की तरह इसे भी पानी से ठंडा किया जाता है, लेकिन इसमें 'न्यूट्रोन अनुशोधन' के लिए बड़ी मात्रा में ग्रेफाइट मौजूद होता है। 'न्यूट्रोन अनुशोधन' रिएक्टर के संचालन के लिए अनिवार्य होता है। जब चेर्नोबिल रिएक्टर अत्यधिक गर्म होता है तो पानी गर्म हो जाता है और शीतलन की दृष्टि से कम प्रभावी हो जाता है।

हालांकि, ग्रेफाइट लगातार न्यूट्रोन्स का अनुशोधन करता रहता है, जिससे रिएक्टर पावर सक्रिय और तापमान अनियंत्रित हो जाता है। झोपोरिज्जिया में दुनियाभर के रिएक्टरों की तरह अगर कोई रिएक्टर अत्यधिक गर्म होता है तो कूलिंग और अनुशोधन दोनों ही कम हो जाता है और इसलिए रिएक्टर ऊर्जा भी कम हो जाती है। परमाणु इंजीनियर इसे रिएक्टर के सुरक्षित डिजाइन के लिए अहम मानते हैं। लेकिन अगर हमलों में परमाणु सामग्री या सुरक्षा के लिए अहम उपकरणों को नुकसान पहुंचता है तो रिएक्टर विनाशकारी हो सकता है। इससे बड़ी मात्रा में हानिकारक परमाणु सामग्री हवा में घुलती है, जिससे बड़े पैमाने पर जमीन और जल आपूर्ति दूषित होने का खतरा होता है।

संयंत्र उच्च क्षमता वाली इमारतों से घिरे होते हैं। इन्हें संयंत्र के भीतर और बाहर धमाकों से बचाने के लिए बनाया जाता है। हालांकि, आधुनिक संयंत्रों को विमान से किए जाने वाले हमलों से बचाने के लिए बनाया गया है। सबसे बड़ी चिंता बाहर ईंधन के लिए बने कूलिंग पूल हैं, जहां अत्यधिक रेडियोधर्मी पदार्थ का पानी में भंडार किया जाता है। इनमें से किसी पर भी अगर सीधे हमला किया जाता है तो रेडियोधर्मी पदार्थ के वातावरण में फैलने की आशंका होती है। परमाणु ऊर्जा संयंत्र के बंद होने के बाद भी पम्प और पाइप जैसे सुरक्षा उपकरण अहम होते हें। झापोरिज्जिया के छह रिएक्टरों में से तीन अभी बंद हैं।

कमजोर जिंबाब्वे पर क्लीन स्वीप करने उतरेगा मजबूत भारत

हरारे (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम सोमवार को यहां मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले को जीतकर 3-0 से सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले और दूसरे मैच को आसानी से जीता है। ऐसे में तीसरे मैच में भी वह जीत की प्रबल दावेदार है। वहीं दूसरी ओर मेजबान जिम्बाब्वे का लक्ष्य पिछली दो हार भूलकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा हालांकि यह उसके लिए आसान नहीं रहेगा क्योंकि उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। .भारतीय टीम तीसरे मैच में कुछ नये खिलाड़ियों को आजमाना चाहेगी। आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए सभी युवा खिलाड़ियों को अवसर दिये जाने के प्रयासों को देखते हुए ही यह अहम माना जा रहा है। कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल ने अब तक युवा खिलाड़ियों को अवसर दिया है। इन युवा खिलाड़ियों को यहां मिले अनुभवों का लाभ होने वाली सीरीजों में होगा। इससे उन्हें बेहतर क्रिकेटर के रूप में खुद को उभरने में सहायता मिलेगी।

भारतीय गेंदबाजों ने अब तक मेजबान बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का कोई अवसर नहीं दिया है। भारतीय टीम तीसरे एकदिवसीय में पहले बल्लेबाजी करना चाहेगी ताकि एशिया कप को देखते हुए कप्तान लोकेश राहुल सहित अधिकतर खिलाड़ियों को बल्लेबाजी का अवसर मिल सके। राहुल दूसरे एकदिवसीय में केवल एक रन ही बना पाये थे जबकि पहले एकदिवसीय में उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था।

युवा बल्लेबाज शुभमन गिल इस मैच में बड़ी पारी खेलाकर आगामी एशिया कप और टी20 विश्व कप से पहले अपना मनोबल बढ़ाना चाहेंगे।

वहीं दूसरी ओर मेजबान जिम्बाब्वे टीम अपना सम्मान बचाने का प्रयास करेगी। इसी को देखते हुए वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी में जीत के लिए पूरी ताकत झौंक देगी।

विश्व चैंपियनशिप: सिंधु की अनुपस्थिति में लक्ष्य और प्रणय पर दारोमदार

टोक्यो (एजेंसी)।

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू चोटिल होने के कारण पिछले एक दशक में पहली बार बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाएगी और उनकी अनुपस्थिति में सोमवार से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट भारत का दारोमदार युवा लक्ष्य सेन और एच एच प्रणय पर होगा। सिंधू ने विश्व चैंपियनशिप में पांच पदक जीते हैं जिनमें 2019 में जीता गया स्वर्ण पदक भी शामिल है।

राष्ट्रमंडल खेलों में अपने खिताबी अभियान के दौरान वह चोटिल हो गई थी जिसके कारण उन्हें इस चैंपियनशिप से उन्हें हटना पड़ा। सिंधू का टखना चोटिल है। ऐसी स्थिति में इस टूर्नामेंट में भारत का अच्छा प्रदर्शन बरकरार रखने का दारोमदार युवा लक्ष्य के अलावा अनुभवी प्रणय और किदांबी श्रीकांत पर आ गया है।

भारत ने 2011 के बाद इस चैंपियनशिप में हमेशा पदक जीता है। पिछले साल श्रीकांत ने जहां रजत पदक जीता था वहीं लक्ष्य कांस्य पदक जीतने में सफल रहे थे लेकिन इस साल मुकाबला अधिक कड़ा नजर आता है। वर्ष 2021 में जापान के केंटो मोमोटा तथा जोनाथन क्रिस्टी और एंथोनी गिंटिंग की इंडोनेशियाई जोड़ी ने विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लिया था लेकिन इस बार किसी खिलाड़ी ने नाम वापस नहीं लिया है।

इसके साथ ही भारत के पुरुष खिलाड़ियों से उम्मीदें काफी की जा रही हैं क्योंकि हाल में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद लक्ष्य का आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है और वह विश्व चैंपियनशिप में खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे। यह 20 वर्षीय खिलाड़ी डेनमार्क के दिग्गज हैंस-क्रिस्टियन सोलबर्ग विटिंगस के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

भारत के तीनों पुरुष खिलाड़ी एक ही क्वार्टर में है और ऐसे में उनका आमना सामना हो सकता है। नौवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य तीसरे दौर में प्रणय से भिड़ सकते हैं। प्रणय को इससे पहले दूसरे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त मोमोटा को हराना होगा। प्रणय ने पिछले कुछ समय से अपने प्रदर्शन में निरंतरता रखी है। वह तीन बार सेमीफाइनल और एक बार फाइनल में पहुंचे और उनसे इसी तरह के प्रदर्शन को बरकरार रखने की उम्मीद की जा रही है।

श्रीकांत को 12वीं वरीयता दी गई है और वह भी लक्ष्य और प्रणय की तरह अच्छी फॉर्म में है। राष्ट्रमंडल खेलों में उन्होंने कांस्य पदक जीता लेकिन आयरलैंड के नाट गुयेन और चीन के झाओ जून पेंग जैसे खिलाड़ियों को हराने के लिए उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। यदि श्रीकांत शुरुआती बाधाओं को पार कर लेते हैं तो क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला दुनिया के पांचवें नंबर के मलेशियाई ली जिया जिया से हो सकता है। इनके अलावा पुरुष युगल में चिराग सेठी और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी पर भी सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। इस भारतीय जोड़ी ने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। विश्व में सातवें नंबर की इस भारतीय जोड़ी को पहले दौर में बाई मिली है।

सिनसिनाटी ओपनः फाइनल में खिताब के लिए भिड़ेंगी गार्सिया और क्विटोवा

रायपुर (एजेंसी)।

मेसन = फ्रांस की कैरोलिना गार्सिया और चेक गणराज्य की पेट्रा क्विटोवा ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। गार्सिया ने शनिवार को बेलारूस की अरिना साबालेनका को 6-2, 4-6, 6-1 से हराकर फाइनल में कदम रखा, जबकि क्विटोवा ने फाइनल में जगह बनाने के लिए अमरीका की मैडिसन कीज को 6-7(6), 6-4, 6-3 से मात दी।

गार्सिया ने जीत के बाद कहा, 'मेरा खयाल है कि किसी ने मेरे फाइनल में पहुंचने की उम्मीद नहीं की होगी। क्वालीफायर्स से यहां पहुंचने तक का सफर बहुत लंबा रहा है।' गार्सिया पैर की चोट के कारण कुछ समय के लिए कोर्ट से दूर हो गई थीं, लेकिन वह मई में रोलां गैरो में लौट आईं और क्रिस्टीना म्लादेनोविक के साथ युगल खिताब जीता। अब वह सिनसिनाटी ओपन का खिताब जीतने से बस एक कदम दूर हैं। दूसरी ओर, पेट्रा क्विटोवा वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन के फाइनल में जीतकर अपना 30वां एकल खिताब जीतना चाहेंगी।

क्विटोवा ने सेमीफाइनल में कीज को हराने के बाद कहा, 'यह एक शानदार मुकाबला था। मुझे कहना होगा कि मैडिसन ने एक बेहतरीन टेनिस खेला। यह एक बेहद करीबी मैच था। मैं आज मैच से पहले खुद को बता रही थी कि मैंने यहां फाइनल में जगह नहीं बनाई है। मुझे नहीं पता कि कल नतीजा क्या होगा, लेकिन यह मेरे लिए बहुत बड़ा कदम है।' अब गार्सिया और क्विटोवा फाइनल में एक दूसरे का सामना करेंगी, जो भारतीय समयानुसार रविवार को रात 11:30 बजे खेला जाएगा।

भारत-पाकिस्तान मैंच पर रोहित ने कहा, मैंच को लेकर कोई दबाव नहीं लेना चाहते

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा भले ही जिम्बाब्वे दौर पर नहीं आए हों, लेकिन वे एशिया कप को लेकर तैयारी में जुटे हुए हैं। टूर्नामेंट के मुकाबले 27 अगस्त से यूएई में होने हैं। भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत 28 अगस्त को दुबई में होनी है। यह मैच दोनों टीमों के लिए दबाव वाला होगा। पिछले साल यूएई में हुए टी20 वर्ल्ड कप के बाद दोनों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ उतरेंगी। पिछले साल पाकिस्तान ने टीम इंडिया पर 10 विकेट से बड़ी जीत दर्ज की थी। पहले तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने शानदार प्रदर्शन किया था। फिर बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान दोनों ने नाबाद अर्धशतक लगाकर पाक टीम को बड़ी जीत दिलाई थी।

वहीं इस हाईवोल्टेज मैंच को लेकर रोहित शर्मा ने कहा, सभी की नजर भारत बनाम पाकिस्तान मैच पर होती है। निस्संदेह यह एक बेहद दबाव वाला मैच होगा। लेकिन हम टीम के अंदर एक सामान्य माहौल बनाना चाहते हैं, मैंच को लेकर कोई दबाव नहीं लेना चाहते। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह सिर्फ क्रिकेट का खेल है। मेरे और राहुल भाई के लिए खिलाड़ियों को यह बताना महत्वपूर्ण है कि वे भी बस एक विरोधी ही हैं। टीम इंडिया 7 बार एशिया कप का खिताब जीत चुकी है। वे

टूर्नामेंट में बतौर डिफेंडिंग चैंपियन उतरेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप में अब तक 14 भिड़ंत हुई है। टीम इंडिया 8 मैच जीतने में सफल रही हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान को 5 मैच में जीत मिली है। 2016 के बाद पहली बार टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जा रहा है. पहले सीजन का खिताब भारतीय टीम ने ही जीता था। टीम फिर ऐसा ही प्रदर्शन करना चाहेगी। मालूम हो कि एशिया कप के क्वालिफायर्स के मुकाबले 20 से 24 अगस्त तक ओमान में होने है। यहां यूएई, हॉन्ग कॉन्ग, सिंगापुर और कुवैत को जगह दी गई है। सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ उतरेंगी। टॉप पर रहने वाली टीम को मेन राउंड में जगह मिलेगी. इस बीच कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि खिलाड़ियों की भूमिका स्पष्ट करने से उन्हें खराब फॉर्म से जूझने के दौरान वह दिशा मिलती है, जहां उन्हें ध्यान केंद्रित करना है और इससे उन्हें अपने खेल में सुधार करके मजबूत बनने में मदद मिलती हैं।

रोहित को लगता है कि एक कप्तान के रूप में यह समझना उनका काम है कि जब खिलाड़ी खराब दौर से गुजर रहे हों, तब उन्हें क्या चाहिए। रोहित ने कहा कि जाहिर है मेरे लिए यह कुछ खास लोगों के साथ जल्दी से ढलना और फिर यह समझना है कि उन्हें क्या चाहिए, उनके मजबूत पक्ष क्या हैं और उनके कमजोर पहलू क्या हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रतिक्रिया दें और उनके साथ काम करें। टीम उस व्यक्ति से क्या उम्मीद कर रही है। कप्तान ने कहा कि इससे खिलाड़ी निखर सकता है, क्योंकि जब हम उन्हें यह स्पष्टता देते हैं कि टीम आपसे क्या उम्मीद कर रही है, तब वह उस दिशा में काम करने में सक्षम होगा और वह अपने खेल पर कई तरह से काम कर सकता है और फिर अपने खेल में सुधार भी कर सकता है। इस सलामी बल्लेबाज ने सहज माहौल की जरूरत पर भी जोर दिया। रोहित ने कहा कि मेरे लिए एक कप्तान के रूप में यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम खिलाड़ियों के लिए एक ऐसा माहौल तैयार करें, जहां उन्हें यह न लगे कि यह बहुत अधिक दबाव का माहौल है। हम कोशिश करते हैं और लोगों के लिए एक माहौल बनाते हैं। हम कोशिश करते हैं कि वे जो करें उसका लुत्फ उठाएं। भारतीय कप्तान ने कहा कि जब आप बल्लेबाजी कर रहे होते हैं, तब दबाव होता है और यही आपको अपने दम पर संभालना होता है.

सिनसिनाटी ओपन : फाइनल में भिड़ेंगे सितसिपास और कोरिक

मेसन। यूनान के तीसरी सीड स्टेफानोस सितसिपास और क्रोएशिया के बोर्ना कोरिक ने रविवार को अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में जगह बनाई। चौथी सीड सितसिपास ने फाइनल में पहुंचने के लिए डेनिल मेडवेडेव को 7-6(6), 3-6, 6-3 से मात दी। दूसरी ओर, कोरिक ने 90 मिनट चले दूसरे सेमीफाइनल में ब्रिटेन के कैमरून नॉरी को 6-3, 6-4 के सीधे सेटों में मात दी। सितसिपास ने मैच के बाद कहा, 'मुझे पता था कि तीसरा सेट मेरे लिये मुश्किल होने वाला है। उन्होंने (मेडवेडेव) इसे मेरे लिए बहुत ही मुश्किल बनाया भी। मैंने उनकी कुछ छूटी हुई पहली सर्विस का लाभ उठाया। मुझे लगता है कि मेरे पास कुछ मौके थे जहां ऐसा लग रहा था कि मैच मेरी तरफ जा रहा है। वह लगातार पहली बार सर्विस करने से चूकते रहे और इससे मुझे अपने अगले कदम के बारे में थोड़ा और स्पष्ट सोचने का समय मिला।'

सुपर किंग्स में शामिल हुए फाफ डुप्लेसिस और मोईन अली

चेन्नई/जोहान्सबर्ग (एजेंसी)।

क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) टी20 लीग में जोहान्सबर्ग फ्रेंचाइजी की मालिक चेन्नई सुपर किंग्स ने फाफ डुप्लेसिस और मोईन अली सहित पांच खिलाड़ियों को लीग के पहले सत्र के लिए टीम में शामिल किया। चेन्नई सुपर किंग्स क्रिकेट लिमिटेड (सीएसकेसीएल) ने रविवार को यह घोषणा की। सीएसकेएल ने बताया कि फाफ डुप्लेसिस (दक्षिण अफ्रीका), मोईन अली (इंग्लैंड), महीश तीक्ष्णा (श्रीलंका), रोमारियो शेफर्ड (वेस्ट इंडीज) और गेराल्ड कोएट्ज़ी (दक्षिण अफ्रीका) को जोहान्सबर्ग फ्रेंचाइजी में शामिल किया गया है।

सीएसकेसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी केएस विश्वनाथन ने कहा, 'क्रिकेट साउथ अफ्रीका के नियमों के अनुसार, हम उपलब्ध खिलाड़ियों की अनुबंधित सूची से चार खिलाड़ियों को चुन सकते हैं। इन चार खिलाड़ियों में से एक दक्षिण अफ्रीका का प्रमुख खिलाड़ी हो सकता है, जबकि अन्य तीन में दो से अधिक एक देश से नहीं हो सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'हमने फाफ, मोइन, महीश और रोमारियो सहित चार खिलाड़ियों को चुनने का फैसला किया है जिन्हें क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने अनुबंधित किया है। हमें

दक्षिण अफ्रीका से एक युवा खिलाड़ी लेने की भी अनुमति है। हमने फाफ की सिफारिश के अनुसार गेराल्ड को चुनने का फैसला किया है।'

विश्वनाथन ने फाफके चयन पर कहा, 'फाफपिछले 10 साल से आईपीएल में सीएसके की रीढ़ रहे हैं। वह हमारी टीम के लिए सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। आईपीएल में पिछली नीलामी के दौरान उन्हें चुनने का सौभाग्य हमें नहीं मिला। हम जिस मौके की तलाश में थे वह सीएसए टी20 लीग में आया।' उन्होंने कहा, 'हम खुश हैं कि फाफ सुपर किंग्स परिवार में वापस लौट आए हैं। फाफके लिए वापस आने और सीएसके के लिए अच्छा प्रदर्शन करने का यह एक बेहतरीन मौका होगा। दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी और कप्तान के रूप में उनका अनुभव और परिस्थितियों की समझ अमूल्य है। मुझे यकीन है कि टीम में उनके प्रवेश के साथ, हमारा भविष्य अच्छा हो पाएगा।'

जोशुआ को हराकर फिर विश्व हैवीवेट चैंपियन बने उसिक

जेद्दा (सऊदी अरब)। यूक्रेन के मुक्केबाज अलेक्सांद्र उसिक ने यहां किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी में एक रोमांचक मुकाबले में एंथनी जोशुआ पर विभाजित निर्णय से जीत दर्ज करके अपना विश्व हैवीवेट खिताब बरकरार रखा। इस मुकाबले में जब जज अपना फैसला सुना रहे थे तब इन दोनों मुक्केबाजों ने यूक्रेन का ध्वज उठा रखा था। उसिक को जब विजेता घोषित किया गया तो उन्होंने झंडे से अपना मुंह ढक दिया। पैंतीस वर्षीय उसिक ने रूस के हमले के खिलाफ यूक्रेन की सेना में सेवाएं देने के छह महीने बाद डब्ल्यूबीए, डब्ल्यूबीओ और आईबीएफ खिताब हासिल किए। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने भी मुकाबले से पहले उसिक के लिए संदेश भेजा था। मुकाबले के बाद उनके प्रतिद्वंदी जोशुआ ने भी उनकी हिम्मत की प्रशंसा की।

शाहरुख ने नहीं केकेआर के सीईओ ने की थी कोच पद की पेशकशः चंद्रकांत पंडित

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मध्यप्रदेश की क्रिकेट टीम को अपने गाइडेंस में पहला रणजी खिताब दिलाने वाले चंद्रकांत पंडित अब आईपीएल में कोच की भूमिका निभाएंगे। उन्हें 2 बार की आईपीएल चैंपियन टीम कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने अगले सीजन से पहले ही अपना कोच नियुक्त कर दिया है। केकेआर का मालिकाना हक अभिनेता शाहरुख खान के पास है। चंद्रकांत पंडित ने खुलासा किया है उनकी शाहरुख खान से आईपीएल के शुरुआती वर्षों में एक बार मुलाकात हुई थी, लेकिन तब कोच पद को लेकर कोई बात नहीं बनी।

एक सख्त और कड़े अनुशासन वाले कोच की पहचान रखने वाले चंद्रकांत पंडित के मार्गदर्शन में आंद्रे रसेल, सुनील नरेन और पैट कमिंस जैसे दिग्गज खेलते नजर आएंगे। 60 साल के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज चंद्रकांत ने बताया कि इस बार उन्हें केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने कोच पद की पेशकश की थी और उन्हें कुछ सोचने की जरूरत नहीं पड़ी।

चंद्रकांत पंडित ने अपने एक इंटरव्यू में इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वह आईपीएल के शुरुआती वर्षों के दौरान एक बार शाहरुख खान से मिले थे, लेकिन तब बात नहीं बनी। इस बार जब केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने हेड कोच के पद की पेशकश की तो उन्हें दूसरी बार सोचने की जरूरत नहीं पड़ी। पंडित ने कहा, 'हां, मुझे रणजी ट्रॉफी फाइनल के बाद प्रस्ताव मिला था। पिछली बार यह काम नहीं कर सका। इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना सम्मान की बात है।'

जॉर्जिया वुशु इंटरनैशनल चैम्पियनशिप में मैडल जीतीं कश्मीर की चिश्ती बहनें

खेल डैस्क । वुशु मार्शल आर्ट खिलाड़ी आयरा चिश्ती और अंसा चिश्ती ने जॉर्जिया में आयोजित वुशु इंटरनैशनल चैम्पियनशिप में गोल्ड और सिल्वर मैडल जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में दोनों बहनें पहुंची थी जहां आयरा गोल्ड जीतने में सफल रही। जॉर्जिया में अगस्त के पहले सप्ताह हुए कंपीटिशन जम्मू से अन्य खिलाड़ी भी गए थे

जिन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सबको चौंका दिया। चैम्पियनशिप के अपने वर्ग में गोल्ड लाने वाली आयरा चिश्ती ने कहा- जब हम देश से बाहर गए थे तो हम गर्व से भरे थे। हमारे मन में सिर्फ मैडल लाने की बात चल रही थी।हमें कंपीटिशन मिला लेकिन अंततः हमने अच्छा खेल दिखाया। फाइनल में बहन के साथ ही मुकाबला था। हमने अच्छा खेल दिखाने की कोशिश की।

वहीं, सिल्वर मैडल लाने वाली अंसा चिश्ती ने कहा कि जब फाइनल में हमारा दोनों का नाम आया तो हम हैरान हो गए। हमने फैसला लिया कि कोई चीटिंग नहीं करेगा। जो जैसा खेलता है वैसे ही खेलेगा। जो जीतेगा मैडल उसका होगा।

वहीं, टूर्नामैंट की तैयारियों संबंधी चिश्ती सिस्टर्स ने संयुक्त तौर पर कहा- हमारे कोच आतिफ ने इसमें प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने हमें कभी न रुकने का पाठ पढ़ाया। चाहे कोविड हो या चाहे कोई और वजह, हमने प्रैक्टिस नहीं छोड़ी। सुबह-शाम की मेहनत के कारण हम गोल्ड और सिल्वर जीत पाईं। मां-बाप का सहयोग रहा। उनके बगैर यहां तक पहुंचना संभव ही नहीं था। हम जब जॉर्जिया में जीतीं तो हमने फोन पर बात की। वह काफी खुश थे।

जीवनभर कप्तानी नहीं कर सकते हैं डेविड वार्नर, इस एक गलती की मिली थी इतनी बड़ी सजा

लंदन।(एजेंसी)।

सिडनी। सिडनी थंडर के साथ बीबीएल में वापसी के लिए दो साल के करार पर हस्ताक्षर करने के बाद डेविड वार्नर ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से किसी भी कप्तानी पद पर आजीवन प्रतिबंध को हटाने के लिए उनसे संपर्क करने का आह्वान किया है। वार्नर को 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में गेंद से छेड़छाड़ की घटना में शामिल तीन खिलाड़ियों में स्टीवन स्मिथ और कैमरन बैनक्रॉफ्ट के साथ सबसे भारी सजा दी गई थी। उन्हें करियर के बाकी हिस्सों में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में किसी भी नेतृत्व की स्थिति को बनाए रखने से रोका गया था। हालांकि, खेल में यह भावना बढ़ रही है कि वार्नर को कम से कम बीबीएल में कप्तानी करने की अनुमति देने के लिए निर्णय को पलटने की जरूरत है। उस्मान ख्वाजा के ब्रिस्बेन हीट में चले जाने के बाद थंडर को 2022-23 सीज़न के लिए एक नए कप्तान की आवश्यकता होगी।

डेविड वॉर्नर हटवाना चाहते हैं कप्तानी पर लगा बैन

डेविड वॉर्नर ने रविवार को कहा कि वह उन पर लगे कप्तानी के आजीवन प्रतिबंध को हटाने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ बातचीत करने को तैयार हैं। दक्षिण अफ्रीका में 2018 में गेंद से छेड़छाड़ के मामले के बाद तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ से कप्तानी छीन ली गई थी और उन पर दो साल तक ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व नहीं करने का प्रतिबंध लगाया गया था। दूसरी तरफ वॉर्नर को और कड़ी सजा दी गई और उन्हें कप्तानी से आजीवन प्रतिबंधित कर दिया गया था। वर्तमान टेस्ट कप्तान पैट कमिंस सहित कई पूर्व और वर्तमान खिलाड़ी वॉर्नर पर लगे आजीवन प्रतिबंध को खत्म करने की अपील कर चुके हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से की गुजारिश

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार वॉर्नर ने कहा, ''इस मामले में कभी बातचीत हुई ही नहीं। मैं कई बार कह चुका हूं कि अब बोर्ड पर निर्भर है कि वह इस मामले में मुझसे बातचीत करे। बोर्ड अपने दरवाजे खोले और तब मैं उनके साथ बैठकर इस मामले पर बातचीत कर सकता हूं।'' वॉर्नर, स्मिथ और कैमरन बैनक्रॉफ्ट को गेंद से छेड़छाड़ के मामले में उनकी भूमिका को लेकर कुछ समय के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। वॉर्नर और स्मिथ पर एक साल का प्रतिबंध लगा था जबकि बैनक्रॉफ्ट को नौ महीने के लिए प्रतिबंधित किया गया था।

पैट कमिंस चाहते हैं वार्नर पर लगा प्रतिबंध हटे

ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस वार्नर पर लगे प्रतिबंध को हटाने के प्रबल पक्षधर रहे हैं। एससीजी में चैपल फाउंडेशन के हालिया रात्रिभोज में उन्होंने कहा, 'मुझे समझ नहीं आता कि क्यों नहीं। वह एक शानदार नेता हैं। मुझे उम्मीद है।'

स्मिथ, जो 2018 में न्यूलैंड्स में कप्तान थे, को दो साल का नेतृत्व प्रतिबंध दिया गया था और पिछले साल एडिलेड में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व किया था, जब कमिंस को कोविड के निकट संपर्क होने के कारण बाहर कर दिया गया था। हालाँकि, चाहे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में फिर से कप्तानी की स्थिति हो, वार्नर का मानना ??है कि वह एक नेतृत्व की भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'मेरे पास अनुभव है, मैं वैसे भी बिना किसी खिताब के टीम का नेता हूं।' 'मैं यही कर रहा हूं, वापस दे रहा हूं, इसलिए यदि वे [युवा खिलाड़ी] किसी भी तरह से मेरे दिमाग को चुन सकते हैं,

तो मेरा फोन हमेशा होता है, उनके पास मेरा नंबर होता है, और जब मैं अभ्यास सुविधाओं पर होता हूं तो वे मुझे देख सकते हैं ।'

वार्नर के हस्ताक्षर की घोषणा करते हुए, थंडर ने कहा कि क्लब की कप्तानी पर निर्णय 'सीजन की शुरुआत के करीब बनाया जाएगा'।

कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति अपराधी हैं : आरिफ मोहम्मद

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेन्सी)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति पर तीखा हमला करते हुए कुलपति गोपीनाथ रवींद्रन पर अपराधी होने का आरोप लगाया है।

नई दिल्ली में केरल हाउस में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए आरिफ मोहम्मद खान ने आरोप लगाया कि दो साल पहले कन्नूर में आयोजित 'केरल इतिहास कांग्रेस' के दौरान कुलपति ने उन्हें शारीरिक रूप से हमला करने की साजिश रची थी।

केरल के मुख्यमंत्री के निजी सचिव, के.के. रागेश की पत्नी प्रिया वर्गीज को मलयालम भाषा में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर नियुक्त करने के बाद केरल के राज्यपाल और कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति के बीच टकराव तेज हो गया है।

राज्यपाल ने पहले कहा कि नियुक्ति में योग्यता का अभाव है और प्रिया वर्गीज नौकरी के लिए अन्य उम्मीदवारों से बहुत पीछे हैं, लेकिन राजनीतिक समर्थन के कारण, वह सूची में नंबर एक पर रही। हालांकि आरिफ मोहम्मद खान ने प्रिया की नियुक्ति पर भी रोक लगा दी है, जिसके खिलाफ कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि वह कानूनी रूप से आगे बढ़ेंगे।

हालांकि राज्यपाल ने कानूनी राय ली थी और इसके अनुसार, कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के खिलाफ अदालत का रुख नहीं कर पाएंगे (केरल के राज्यपाल राज्य में विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं, जिसके खिलाफ राज्य सरकार एक विधेयक लाने की योजना बना रही है)।

हालांकि, माकपा नेता और थालास्सेरी से विधान सभा के सदस्य और कन्नूर विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष ए.एन. शमसीर ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि राज्यपाल का बयान उनकी अपरिपक्वता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि दो साल पहले हुई 'केरल राज्य इतिहास कांग्रेस' के दौरान राज्यपाल के खिलाफ शारीरिक हमले जैसी कोई घटना नहीं हुई थी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान एक राजनेता की तरह काम कर रहे हैं और दिन-प्रतिदिन मीडिया के सामने उपस्थित होना चाहते हैं।

शमसीर ने कहा कि आरिफ मोहम्मद खान नई दिल्ली में कुछ बड़ी भूमिकाओं के इच्छुक थे और जब ऐसा नहीं हुआ तो वे निराश हो गए और केरल की वाम लोकतांत्रिक मोर्चा सरकार के खिलाफ निराशा को बाहर निकाला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्यपाल को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए कि क्या उनके कार्य उस सम्मानित कार्यालय से अपेक्षित के अनुरूप हैं, जो उनके पास है।

इस बीच, एक संबंधित विकास में, कांग्रेस नेता और संसद सदस्य, के मुरलीधरन ने कहा कि वह विश्वविद्यालयों में पिछले दरवाजे की नियुक्तियों के खिलाफ अपनी लड़ाई में राज्यपाल के समर्थन में हैं। उन्होंने कहा कि पहले केरल के अध्यक्ष एम.बी. राजेश की पत्नी को संस्कृत विश्वविद्यालय में नियुक्त किया गया था और अब मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव के.के. रागेश की पत्नी की नियुक्ति पिछले दरवाजे से और योग्यता मानदंडों को नजरअंदाज करते हुए की जाने वाली है।

जाति प्रथा एक बीमारी, इसे खत्म करने की जरूरत : मीरा कुमार

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेन्सी)। राजस्थान में कथित रूप से पानी का मटका छूने को लेकर एक शिक्षक की पिटाई के बाद एक दलित छात्र की मौत को लेकर जारी आक्रोश के बीच कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मीरा कुमार ने रविवार को जाति प्रथा को एक बीमारी' करार दिया। उन्होंने जाति प्रथा को पूरी तरह से खत्म करने और पूर्वाग्रह के खिलाफ कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति अपनाने पर जोर दिया। एक साक्षात्कार में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि जाति आधारित अत्याचार की घटनाओं को लेकर इस बात में नहीं उलझना चाहिए कि यह किसके शासन में हुई या कौन-सा राजनीतिक दल इसके लिए जिम्मेदार है, क्योंकि इससे मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकता है कि जाति व्यवस्था समाप्त की जानी चाहिए।

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जाति प्रथा न तो कमजोर हुई है और न ही समाप्त हुई है। मीरा कुमार की यह टिप्पणी 20 जुलाई को राजस्थान के जालौर जिले के एक स्कूल में कथित रूप से पानी का मटके छूने को लेकर एक शिक्षक द्वारा दलित छात्र इंद्र कुमार (9) की पिटाई किए जाने के कुछ दिनों बाद आई है। अगस्त की शुरुआत में अहमदाबाद के एक अस्पताल में इलाज के दौरान छात्र की मौत हो गई थी। आरोपी शिक्षक छैल सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है।

राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस दलित छात्र की मौत को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या दलितों पर अत्याचार रोकने के मामले में कांग्रेस सरकार की तरफ से कोई कमी है, मीरा कुमार ने कहा, मुझसे हर कोई इस बारे में पूछता है।

ऐसा नहीं है कि मैं किसी का बचाव कर रही हूं या किसी पर आरोप लगा रही हूं। मैं सिर्फ इतना कहना चाहती हूं कि हां, राजनीतिक वर्ग कुछ हद तक जिम्मेदार है, लेकिन यह मुद्दा सामाजिक है और राजनीति समाज का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा, यह कहना कि शासन विशेष या पार्टी विशेष इसके लिए जिम्मेदार है और यह इस राज्य में हुआ है, ये आंकड़े हैं, अन्य राज्यों में आंकड़े अलग हैं, क्योंकि वहां अलग पार्टी की हुकूमत है, हमें वास्तव में इस सब में नहीं पड़ना चाहिए, क्योंकि इससे मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकता है। मीरा कुमार ने कहा कि लोग जब राजनीतिक कोण के बारे में बात करना शुरू कर देते हैं तो इससे मुद्दे की अहमियत घट जाती है।

पूर्व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि हर बार जब कोई अत्याचार होता है तो वह इस बहस में उलझकर रह जाता है कि गलती किसकी है। जाति प्रथा के उन्मूलन पर आगे बढ़ने के तरीकों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि सामाजिक इच्छाशक्ति बेहद जरूरी है। कांग्रेस नेता ने कहा, समाज को आगे आना चाहिए। धर्म इस समस्या की जड़ है तो धर्मगुरु क्या कह रहे हैं... युवा हमेशा बदलाव चाहते हैं, उन्हें आगे आना चाहिए। महिलाएं, जो मां हैं, बच्चे के जन्म के समय से ही उसके दृष्टिकोण को आकार देने में उनकी प्रमुख भूमिका होती है। उन्होंने बिहार के घटनाक्रम पर कहा कि राज्य में महागठबंधन सरकार का गठन एक स्वागतयोग्य कदम और सकारात्मक संकेत' है।

कॉरपोरेट के मुकाबले जनता से अधिक टैक्स वसूल रही मोदी सरकार : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेन्सी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को सरकार पर आम लोगों पर कर का अधिक बोझ डालने और अपने मित्रों'' के कर में कमी करने का आरोप लगाया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने ट्विटर पर एक ग्राफ' भी साझा किया और आरोप लगाया कि सरकार आम लोगों से अधिक कर वसूल कर रही है जबकि कॉरपोरेट से कम कर की वसूली हो रही है।

उन्होंने ट्वीट कर कहा, लोगों पर करों को बढ़ाया गया, मित्रों' के लिए करों में कटौती की गई- सूट-बूट-लूट सरकार के कामकाज का स्वाभाविक तरीका'।'' राहुल गांधी द्वारा साझा किए गए ग्राफ में कांग्रेस शासन और भाजपा सरकार के दौरान कर वसूली का तुलनात्मक विवरण दर्शाया गया है, जिसमें कहा गया, लोगों पर कम कर बनाम लोगों पर अधिक कर।'' ग्राफ में दर्शाया गया है कि पिछले कुछ वर्षों में कॉरपोरेट कर में कमी आई है जबकि आम लोगों पर कर का बोझ बढ़ा है।

इसमें यह भी दिखाया गया है कि सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों से एकत्रित राजस्व का प्रतिशत आम लोगों से अधिक जबकि कॉरपोरेट से कम है। ग्राफ में दिखाया गया है कि 2010 में कॉरपोरेट पर लगे कर से एकत्रित राजस्व 40 फीसदी से अधिक था जबकि आम लोगों से 24 फीसदी कर वसूली की गई थी। इसमें दर्शाया गया है कि 2021 में कॉरपोरेट पर कर से राजस्व की वसूली घटकर 24 फीसदी रह गई जबकि आम लोगों से 48 फीसदी कर राजस्व वसूला गया।

मथुरा में बनेगा 282 करोड़ रुपए की लागत से दो सीवेज प्लांट, योगी सरकार ने दी मंजूरी

मथुरा, 21 अगस्त (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश सरकार यमुना नदी को दूषित होने से बचाने के लिए मथुरा में दो सीवेज प्लांट बनवाने जा रही है। सीएम योगी ने नमामि गंगे राष्ट्रीय मिशन योजना के तहत 282.42 करोड़ रुपए की लागत वाली दो सीवेज परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

सूत्रों के मुताबिक यमुना में गंदा पानी जाने से रोकने के लिय बनायी गयी इस परियोजना में 4 जगहों पर इंटरसेप्शन और डायवर्जन संरचनाएं बनाई जाएंगी। इसकी कुल लम्बाई 1.97 किलोमीटर होगी। इसके अलावा एक राइजिंग मेन लाइन भी इन नालों के लिए बनाई जाएगी, जिसकी लम्बाई 9.29 किलोमीटर होगी। वहीं, नए एसटीपी की कुल क्षमता 60 एमएलडी की होगी। इसके साथ ही 66 मिलियन लीटर रोजाना क्षमता वाला एसटीपी बनकर तैयार हो गया है जिसका उद्घाटन जल्द होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नदियों को साफ सुथरा बनाने के लिए उसमें गिर रहे सीवर और औद्योगिक कचरे के प्रवाह को रोकने के लिए उसकी खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सरकार का दावा है कि इसका असर भी जल्दी ही दिखने लगेगा। प्रदेश की नदियां पिछले पांच वर्षों में साफ और अविरल हुई हैं। साथ ही कई नदियों को पुनर्जीवित किया गया है।

हाल ही में मथुरा नगर पालिका को मथुरा वृंदावन नगर निगम में अपग्रेड किया गया। जिससे शहर की सीमा का विस्तार हुआ। ऐसे में जोन तीन कोयला अलीपुर के गांव औरंगाबाद से होकर बहने वाले 3 नालों की टैपिंग की आवश्यकता को महसूस किया गया था। इसमें मथुरा जोन तीन (कोयला अलीपुर) और अंखबर ड्रेन (आंशिक रूप से) के बाकी 3 नालों का इंटरसेप्शन और डायवर्जन किया जाएगा। इसमें सीवेज पंपिंग स्टेशनों और 60 एमएलडी के नए एसटीपी का नमिर्माण भी शामिल है। इससे पहले शहर के करीब 20 नालों को टैप किया जा चुका है। वहीं मथुरा शहर का वस्तिार होने पर 3 बड़े नालों की टैप करने की जरूरत महसूस की गई।

यमुना में गिरने वाले प्रदूषित नालों को की दिशा दो सीवेज परियोजनाओं की कुल लागत 282.42 करोड़ रुपए है। वहीं 15 सालों के लिए ऑपरेशनल एवं मेंटिनेंस कॉस्ट 130.40 करोड़ रुपए है। ये परियोजनाएं दो सालों में बनकर तैयार हो जाएंगी। परियोजनाओं की निगरानी के लिए यूपी जल निगम को जिम्मेदारी सौंपी गई है ताकि तय समय में काम पूरा हो सके। इस परियोजना के पूरा होने से यमुना नदी में गिरने वाले प्रदूषित नालों को डायवर्ट किया जा सकेगा।

जानकारों की मानें तो परियोजना का केवल एसटीपी के निर्माण के साथ प्रदूषित नालों का डायवर्जन पर फोकस है। परियोजना पूरी तरह से हाइब्रिड एन्यूटी (एचएएम) आधारित पीपीपी मोड पर आधारित होगी। मालूम हो कि शहर का सीवेज नालों में बहकर 3 नालों के माध्यम से यमुना नदी में जा रहा है।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देश के अनुसार अनुपचारित सीवेज मथुरा में यमुना नदी में प्रवाहित नहीं हो सकता है, इसलिए शहर में 4 नाले के साथ-साथ सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए इंटरसेप्शन और डायवर्जन सस्टिम उपलब्ध कराना जरूरी है। इंटरसेप्शन और डायवर्जन खुले नालों के माध्यम से नदी में बहने वाले कच्चे सीवेज को पकड़ने और उन्हें उपचार के लिए डायवर्ट करने का काम करता है।

मिजोरम के सीएम की बेटी ने डॉक्टर को मारा थप्पड़, सीएम ने मांगी माफी

आइजोल, 21 अगस्त (एजेन्सी)। मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथंगा की बेटी का वीडियो वायरल होने के बाद सीएम ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कहा कि वह अपनी बेटी के इस व्यवहार को किसी भी तरह उचित नहीं ठहरा सकते। सीएम ने कहा, बेटी ने डॉक्टर के पास जाकर उनसे माफी मांगी है। मुख्यमंत्री की बेटी मिलारी छांगते का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था जिसमें वह एक डॉक्टर को थप्पड़ मार रही थीं।

बुधवार की इस घटना से डॉक्टरों में रोष है। शनिवार को 800 से ज्यादा डॉक्टरों ने कथित हमले की निंदा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों में से एक डॉक्टर ने कहा कि छांगते ने आइजोल स्थित चर्म रोग विशेषज्ञ पर हमला किया था। डॉक्टर ने छांगते से कहा कि उन्हें क्लीनिक पर अप्वाइंटमेंट लेकर आना चाहिए था, जिसपर वह भड़क गई और उन्होंने हमला किया। आईएमए की मिजोरम इकाई ने बयान में कहा, हम चाहते हैं कि डॉक्टरों के साथ इस तरह का व्यवहार दोबारा न हो।

मुख्यमंत्री ने अपने बयान में कहा, डॉक्टर के साथ मेरी बेटी जो व्यवहार किया उसके बचाव में मैं कुछ नहीं कहना चाहता। हम जनता से और डॉक्टरों से माफी मांगते हैं। बता दें कि मुख्यमंत्री के बेटे ने भी सोशल मीडिया पर बहन की ओर से माफी मांगी थी और कहा था कि मानसिक तनाव की वजह से उनकी बहन ने आपा खोया था।

देश को आदर्श समाज बनाने के लिए काम कर रहा आरएसएस : मोहन भागवत

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेन्सी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि संघ समाज को जागृत और एकीकृत करने की कोशिश कर रहा है जिससे कि दुनिया के सामने हमारा देश एक आदर्श समाज बनकर स्थापित हो। आरएसएस की दिल्ली शाखा की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में संघ प्रमुख ने कहा कि लोगों को समाज की सेवा करने के लिए सामने आना चाहिए। अकेले नहीं बल्कि एक समुदाय के रूप में उन्हें कदम बढ़ाना चाहिए।

भागवत ने कहा, 'संघ समाज को जागृत करने और संगठित करने के लिए काम कर रहा है।' उन्होंने कहा, कई क्षेत्रों के लोगों ने देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी और अपना योगदान दिया। लेकिन एक समाज के रूप में फलीभूत होने में समय लगा। भारत के लोगों का मुल स्वभाव और डीएनए ऐसा है कि वे एक समाज के रूप में सोचते हैं ना कि अकेले की तरह। हमें उन्हें और प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

हाल ही में मोहन भागवत ने महिलाओं की भी जमकर तारीफ की थी और कहा था कि अगर शारीरिक अंतर को छोड़ दें तो क्षमता और सम्मान के मामले में पुरुष और महिलाओं में कोई अंतर नहीं है। एक पुस्तक विमोचन के कार्यक्र में उन्होंने कहा था कि महिलाओं को जगत जननी कहा जाता है। लेकिन एक घर में वे गुलामों की तरह काम करती हैं। महिला का सशक्तीकरण घर से ही शुरू होना चाहिए तभी उन्हें समाज में सम्मानजनक दर्जा मिल सकेगा।

उन्होंने कहा था, जरूरत नहीं है कि महिलाओं को उनका स्थान दिलाने के लिए पुरुष काम करें क्योंकि महिलाएं पुरुषों से ज्यादा क्षमतावान हैं। उन्हें किसी के दिशा निर्देश की जरूरत नहीं है। इसलिए उन्हें अपना रास्ता तय करने दीजिए।

मुकदमे खून बहने वाले घाव की तरह, जितना इसे बहने देंगे उतने ही पीड़ित होंगे : यूयू ललित

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेन्सी)। भारत के 49वें मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित ने रविवार को कहा कि मुकदमा खून बहने वाले घाव की तरह है। जितना अधिक इससे खून बहने दिया जाएगा, उतना ही अधिक पीड़ित व्यक्ति को भुगतना पड़ेगा।

राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (नालसा) के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति ललित यहां विज्ञान भवन में आयोजि एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 365 जिला कानूनी सेवा प्राधिकरणों में हाल ही में शुरू की गई कानूनी सहायता रक्षा परामर्शदाता (एलएडीसी) प्रणाली को औपचारिक रूप से लॉन्च किया।

नालसा के तहत गठित एलडीसीस उन गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करता है जो अपने आपराधिक मामलों से लड़ने के लिए निजी वकील की नियुक्ति करने के लिए मजबूर होते हैं और इस प्रक्रिया में अपनी संपत्ति खो देते हैं।

आगामी 27 अगस्त को सीजेआई के रूप में कार्यभार संभालने वाले न्यायमूर्ति ललित ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सत्तर प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा से नीचे है और केवल 12 प्रतिशत ही कानूनी सेवा अधिकारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली मुफ्त कानूनी सहायता का विकल्प चुनते हैं।

उन्होंने, 12 प्रतिशत से 70 प्रतिशत के बीच की आबादी क्या करती है? इसका मतलब है कि 12 प्रतिशत और 70 प्रतिशत के बीच वाले हमारे साथ नहीं है। उन्होंने अपनी संपत्ति बेच दी होगी, उन्होंने अपने आभूषण बेचे होंगे, उन्होंने जमीन गिरवी रखी होगी। यही मुकदमेबाजी लाती है। मुकदमा खून बहने वाले घाव की तरह है। जितना अधिक आप इसे बहने देंगे, उतना ही आदमी पीड़ित होगा।

उन्होंने कहा कि कानूनी सहायता से ऐसे लोगों को विश्वास दिलाने की जरूरत है कि व्यवस्था उन्हें इस दरवाजे से न्याय के मंदिर तक ले जा सकती है और इसका सबसे पेशेवर तरीके से ध्यान रखा जाएगा।

एलएडीसी प्रणाली के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी वकील राज्य की ओर से आपराधिक मामलों को आगे बढ़ा रहे हैं और इसी तरह गरीब वादियों के लिए इस प्रणाली के माध्यम से ऐसे मामले लड़े जाएंगे जिनका वित्त पोषण भी नालसा के माध्यम से सरकार से आएगा।

उन्होंने उस स्थिति को बताया जहां गरीबों को निजी वकीलों को किराए पर लेने के लिए मजबूर किया जाता है और कहा कि आपराधिक मामलों में ऐसा होता है कि आरोपी व्यक्ति को मुकदमे में घसीटा जाता है।

उन्होंने कहा कि एलडएडीसी प्रणाली की सफलता उन लोगों के प्रति विश्वास का हाथ बढ़ाने में निहित है जिनके संसाधन मुकदमेबाजी में बर्बाद हो जाते हैं और वे इस जाल में फंस जाते हैं।

उन्होंने एलएडीसी प्रणाली को 'सार्वजनिक रक्षक प्रणाली के अनुरूप आपराधिक मामलों में मुफ्त कानूनी सहायता, सहायता और कानूनी प्रतिनिधित्व को बदलने की पहल' करार दिया। न्यायमूर्ति ललित ने कानूनी सहायता आंदोलन से जुड़े लोगों को पिछले पंद्रह महीनों में उनकी उपलब्धियों के लिए धन्यवाद दिया।

उन्होंने कानूनी सहायता वितरण तंत्र में सुधार के लिए एलएडीसी के अर्थ और आवश्यकता पर जोर दिया और नालसा की उपलब्धियों को गिनाया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com